राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्टेटमेन्ट टुडे

RNI No: UPHIN/2016/67528 StatementToday @statement_today

वर्ष 9 अंक 25 लखनऊ, सोमवार 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2025 पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपये

उप्र की राजधानी लखनऊ से प्रकाशित एवं लखनऊ, गोरखपुर, बुन्देलखण्ड, पटना, सीवान, गोपालगंज, दिल्ली से प्रसारित

एक दशक बाद बड़े पर्दे पर लौटीं गीता बसरा 3

सीरीज में वापसी करने उतरेगा भारत 6

शहर में 400 से अधिक स्थानों पर 9

मन की बात का 127 वां एपिसोडः पीएम मोदी ने छठ की बधाई दी, कहा...

यह महापर्व गहरी एकता का प्रतिबिंब

● मन की बात में पीएम मोदी ने दी छठ की शुभकामनाएं, बोले- त्योहारों में स्वदेशी वस्तुओं की जबरदस्त खरीददारी हुई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के जरिए देश को संबोधित किया। पीएम ने इस दौरान देशवासियों को त्योहारों की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठ का जिक्र करते हुए कहा कि छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। अंबिकापुर–बंगलूरू में बदलाव की पहलों का किया जिक्र पीएम मोदी ने इस दौरान छत्तीसगढ़ और कर्नाटक का जिक्र किया। पीएम ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर शहर की प्लास्टिक कचरा साफ करने की पहल गारबेज कैफे के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ष्ये ऐसे कैफे हैं, जहां प्लास्टिक का कचरा लेकर जाने पर भरपेट खाना खिलाया जाता है। अगर कोई व्यक्ति एक किलो प्लास्टिक लेकर जाए तो उसे दोपहर या रात का खाना मिलता है और कोई आधा किलो प्लास्टिक ले जाए तो नाश्ता मिल जाता है। ये कैफे अंबिकापुर नगरपालिका चलाता है।ष इसी तरह पीएम ने बंगलूरू की एक खास पहल का जिक्र करते हुए कहा, ष्बंगलूरू को झीलों का शहर कहा जाता है और इंजीनियर कपिल शर्मा जी ने यहां झीलों को नया जीवन देने का अभियान शुरू किया है। कपिल की टीम ने बंगलूरू और आसपास के इलाकों में 40 कुओं और झीलों को फिर से जिंदा कर दिया है। खास बात तो यह है कि उन्होंने अपने मिशन में कॉरपोरेट्स और स्थानीय लोगों को भी जोड़ा है।ष मैनग्रोव के जरिए पर्यावरण संरक्षण का दिया।

कुरनूल बस हादसाः आग में जिंदा जले 20 यात्री

दरवाजा जाम होने के चलते नहीं निकल पाए लोग

बंगलूरू,(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में शुक्रवार तड़के एक बस में आग लगने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा कल्लूर मंडल में चिन्नाटेकुर के पास हैदराबाद–,बंगलूरू हाईवे पर हुआ। यह बस बंगलूरू से हैदराबाद जा रही थी। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के निकट एक निजी बस में दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में बाइक सवार एक व्यक्ति भी शामिल है। हादसे पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शोक जताया है। प्रारंभिक सूचना के अनुसार, बंगलूरू से हैदराबाद जा रही बस में हादसे के दौरान करीब 41 लोग सवार थे। इसमें कहा गया है कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे आ गयी और इसके ईंधन टैंक का ढक्कन खुल गया जिससे आग लग गई। कुरनूल के जिला कलेक्टर डॉ ए सिरी ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया, यह दुर्घटना सुबह 3 से 3रू10 बजे के बीच हुई जब बस एक बाइक से टकरा गई, जिससे ईंधन रिसाव हुआ और आग लग गई। 41 यात्रियों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। बाकी 20 में से 11 के शवों की अब तक पहचान हो पाई है। बाकी की पहचान के प्रयास जारी हैं। कुरनूल संभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक कोया प्रवीण ने बताया, 19 यात्री, दो बच्चे और दो चालक इस दुर्घटना में बाल–बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। तेलंगाना सरकार ने हेल्पलाइन शुरू की तेलंगाना सरकार ने शुक्रवार को हैदराबाद से बंगलूरू जा रही निजी बस के यात्रियों के परिवारों की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की।

राष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश में बस अग्निकांड में हुई मौतों को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' बताया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हैदराबाद जा रही एक निजी बस में शुक्रवार तड़के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के पास एक दोपहिया वाहन से टकराने के बाद आग लग गई, जिससे इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश में एक बस में आग लगने के कारण लोगों की हुयी मौत पर शोक प्रकट किया और इस दुर्घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दुखद बस अग्निकांड में हुई मौतों की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिये प्रार्थना करती हूं।''

वांगचुकः एडवाइजरी बोर्ड ने शुरू की पड़ताल

जोधपुर,(एजेंसी)। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो द्वारा राज्य व केंद्र सरकार को दिए रिप्रेजेंटेशन के बाद बोर्ड ने मामले की सुनवाई शुरू की है। बोर्ड के सदस्य जेल में वांगचुक का पक्ष जानकर रिपोर्ट तैयार करेंगे। वांगचुक को लेह में हुई हिंसा के बाद 26 सितंबर को गिरफ्तार कर जोधपुर जेल भेजा गया था, जहां वे कड़ी सुरक्षा में बंद हैं। जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात करने के लिए लेह लदाख से एडवाइजरी बोर्ड जोधपुर सर्किट हाउस से सेंट्रल जेल पहुंचा। वांगचुक की हिरासत के खिलाफ उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने राज्य सरकार, केंद्र सरकार और एडवाइजरी बोर्ड को एक रिप्रेजेंटेशन सौंपा था, जिसके बाद एडवाइजरी बोर्ड ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। एडवाइजरी बोर्ड के तीन सदस्य कल दिन में जोधपुर के सर्किट हाउस पहुंचे थे। इनमें एडवाइजरी बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्व न्यायाधीश एमके हुजूरा एवं सलाहकार मंडल अध्यक्ष जिला जज मनोज परिहार, सामाजिक कार्यकर्ता स्पल जयेश अंगमों जोधपुर सेंट्रल जेल में ही वांगचुक पर छै। के संबंध में सुनवाई करने के लिए पहुंचे। वांगचुक की ओर से राज्य, केंद्र सरकार और एडवाइजरी बोर्ड को हिरासत के आधार को चुनौती देने वाला रिप्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया था। उसकी पड़ताल के लिए एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य अब सेंट्रल जेल पहुंचे हैं।

न्यूज

बस में आग लगने जैसी घटनाओं के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी: खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक बस में आग लगने के कारण कई लोगों की मौत पर शुक्रवार को दुख जताया और कहा कि बार–बार होने वाली इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। हैदराबाद जा रही एक निजी बस में शुक्रवार तड़के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के पास एक दोपहिया वाहन के टकराने के बाद आग लग गई, जिससे इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बाइक सवार भी शामिल है। खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ष्आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हैदराबाद–बेंगलुरु राजमार्ग पर एक बस में आग लगने की दुखद घटना हुई, जिसके कारण कई लोगों की मौत हो गई। यह अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा, मैं इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले सभी यात्रियों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बेटी से दुष्कर्म के आरोपी का पिता ने काटा प्राइवेट पार्ट,आहत पिता ने खुदकुशी की

देवरिया। जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छह वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म की कोशिश से आहत पिता ने शुक्रवार सुबह खुदकुशी कर ली। उसने अपने किराए के कमरे में फंदे से लटककर जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर सीओ सलेमपुर मनोज कुमार, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्र और फॉरेंसिक टीम पहुंचकर जांच में जुट गई है। मामला खुखुंदू थाना क्षेत्र का है। मृतक युवक पिछले दो माह से महाराजपुर गांव निवासी रामबाबू यादव के साथ किराए के मकान में रह रहा था। उसके साथ उसकी छह वर्षीय बेटी भी रहती थी। बीते मंगलवार की रात युवक, उसकी बेटी और दोस्त रामबाबू एक साथ सोए थे। आरोप है कि रात में रामबाबू ने बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया।

स्टेटमेन्ट टुडे
(राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक) लखनऊ
27 अक्टूबर 2025 सोमवार

दिल्ली–एनसीआर में दमघोंटू हवा का कहर

लगातार आज भी 400 के पार एक्यूआई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 184 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज जोन में आता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहर मेरठ में वायु गुणवत्ता बेहद खराब है और बुधवार को मेरठ में एक्यूआई 327 दर्ज किया गया। दिवाली के बाद एक बार फिर देश की राजधानी वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। खराब वायु गुणवत्ता ने लोगों का सांस लेना भी दूभर कर दिया है। हालांकि देश के कई शहर ऐसे भी हैं, जहां वायु गुणवत्ता दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से भी ज्यादा खराब रही। इनमें हरियाणा के जींद और धारूहेड़ा इलाके देश में सबसे ज्यादा प्रदूषित रहे और इनमें मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक क्रमश: 421 और 412 रहा, जो दिल्ली (351) की तुलना में कहीं ज्यादा है। बुधवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 335 है, जो खराब श्रेणी में है, लेकिन हरियाणा के कई शहरों में स्थिति दिल्ली–एनसीआर से भी बदतर है। राजस्थान में स्थिति भयावह राजस्थान के शहरों में बुधवार को स्थिति भयावह बनी हुई है। राज्य के कई प्रमुख शहर

गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। जिनमें श्रीगंगानगर में एक्यूआई 466, चूरू में 413, बीकानेर में 3०5, अलवर में 363, अजमेर में 3०6 और राजधानी जयपुर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 248 दर्ज किया गया। हरियाणा के कई शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब देशभर में ऐसे 15 शहर रहे जहां बुधवार को भी हालात खराब रहे और यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 3०० से 4०० के बीच पहुंचा, जिनमें हरियाणा के 9 शहर शामिल हैं। इनमें बुधवार को धारूहेड़ा का वायु गुणत्ता सूचकांक (386), चरखी दादरी (364), जींद (374), रोहतक (353), यमुनानगर (344), फतेहाबाद (314), बल्लभगढ़ (315), भिवानी (291) और बहादुरगढ़ (276) दर्ज किया गया। पंजाब में भी खतरनाक स्तर पर वायु प्रदूषण पंजाब के शहरों की हवा भी दमघोटू है। मंगलवार को लुधियाना में एक्यूआई 271, जालंधर में 247, अमृतसर में 224, पटियाला में 2०6 दर्ज किया गया। पंजाब में दिवाली के पर्व पर पटाखे जलाने के साथ ही खेतों में पराली जलाने को भी प्रदूषण की प्रमुख वजह माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में बेहद खराब हैं हालात उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 184 दर्ज किया गया, जो ऑरेंज जोन में आता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहर मेरठ में वायु गुणवत्ता बेहद खराब है और बुधवार को मेरठ में एक्यूआई 327 दर्ज किया गया। प्रदेश के एक और प्रमुख शहर गाजियाबाद में भी वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है और बुधवार को गाजियाबाद में एक्यूआई 324 दर्ज किया गया। वहीं नोएडा में 32०, हापुड़ में 314 एक्यूआई दर्ज किया गया। डच् में वायु प्रदूषण का स्तर फिर बढ़ा, भोपाल–इंदौर भी सुरक्षित नहीं मध्य प्रदेश में वायु प्रदूषण का स्तर एक बार फिर चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ताजा आंकड़ों के अनुसार, ग्वालियर, सागर और मंडीदीप जैसे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (फ्) बेहद खराब स्थिति में है। विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान में गिरावट, त्योहारों के बाद का धुआं, और हवा की कम गति इस प्रदूषण के पीछे मुख्य कारण हैं।

राजस्थान में स्थिति भयावह

राजस्थान के शहरों में बुधवार को स्थिति भयावह बनी हुई है। राज्य के कई प्रमुख शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। जिनमें श्रीगंगानगर में एक्यूआई 466, चूरू में 413, बीकानेर में 3०5, अलवर में 363, अजमेर में 3०6 और राजधानी जयपुर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 248 दर्ज किया गया।

हरियाणा के कई शहरों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब

देशभर में ऐसे 15 शहर रहे जहां बुधवार को भी हालात खराब रहे और यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 3०० से 4०० के बीच पहुंचा, जिनमें हरियाणा के 9 शहर शामिल हैं। इनमें बुधवार को धारूहेड़ा का वायु गुणत्ता सूचकांक (386), चरखी दादरी (364), जींद (374), रोहतक (353), यमुनानगर (344), फतेहाबाद (314), बल्लभगढ़ (315), भिवानी (291) और बहादुरगढ़ (276) दर्ज किया गया।

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बने नीरज चोपड़ा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी उपाधि

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री और थल सेना अध्यक्ष की मौजूदगी में नीरज को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी गई। नीरज इस दौरान सेना की वर्दी में नजर आए। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बन गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी ने नीरज को यह उपाधि दी। रक्षा मंत्री और थल सेना अध्यक्ष की मौजूदगी में नीरज को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी गई। नीरज इस दौरान सेना की वर्दी में नजर आए। लगातार दो ओलंपिक में जीते हैं पदक हरियाणा के पानीपत के पास खंडरा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय भाला फेंक एथलीट ने टोक्यो ओलंपिक 2०2० में स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक 2०24 में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था। इस साल नीरज चोपड़ा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई थी, लेकिन बुधवार को समारोह के दौरान उन्हें उपाधि दी गई। नीरज इससे पहले भारतीय सेना में सूबेदार मेजर थे। नीरज से पहले भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को भी 2०11 में प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का मानद पद दिया गया था। इस साल मई में रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग ने अधिसूचना जारी करते हुए नीरज के लेफ्टिनेंट कर्नल बनने की जानकारी दी गई थी। अधिसूचना में कहा गया था, प्रादेशिक सेना विनियम 1948 के पैरा–31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति हरियाणा के पानीपत के गांव और डाकघर खंडरा के पीवीएसएम, पद्मश्री, वीएसएम पूर्व सूबेदार मेजर नीरज चोपड़ा को 16 अप्रैल 2०25 से प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का मानद पद प्रदान करती हैं। इस सीजन अच्छा नहीं रहा नीरज का प्रदर्शन नीरज चोपड़ा के लिए मौजूदा सत्र अच्छा नहीं रहा था। वह डायमंड लीग खिताब नहीं जीत पाए थे और विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक का बचाव नहीं कर सके थे। नीरज ने विश्व चौंपियनशिप में 84.०3 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था और अंतिम प्रयास के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सके थे।

राष्ट्रपति की सुरक्षा में लापरवाही, कच्चे कंक्रीट हैलीपैड पर उतरा हेलीकॉप्टर, पहिए गड्ढे में धंसे

तिरुवनंतपुरम,(एजेंसी)। अधिकारी ने बताया कि पहले राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग पंबा के पास निलक्कल में होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण, राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग प्रमदम में हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में लापरवाही का मामला सामने आया है। दरअसल राष्ट्रपति को सबरीमाला यात्रा पर ले जा रहा वायु सेना का हेलीकॉप्टर बुधवार सुबह प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में नए कंक्रीट वाले हेलीपैड पर उतरते समय एक गड्ढे में फंस गया। राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक की यह घटना तब हुई, जब राष्ट्रपति मुर्मू के हेलीकॉप्टर की केरल के प्रमदम में लैंडिंग हुई। सूख नहीं पाया था कंक्रीट का बना हेलीपैड हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद राष्ट्रपति का काफिला सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना हो गया। राष्ट्रपति के रवाना होने के बाद कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के पहियों को हैलीपैड पर बने गड्ढों से निकालते दिखाई दिए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय पर राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए जगह तय की गई थी, जिसके चलते मंगलवार देर रात ही हेलीपैड बनाया गया। इसके चलते हेलीपैड सूख नहीं पाया और जैसे ही राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर लैंड हुआ तो भारी वजन के चलते वह हेलीपैड में ही धंस गया। गनीमत रही कि इस वजह से कोई गड़बड़ी नहीं हुई।

तेजस्वी का ऐलान- संविदा कर्मचारियों को स्थाई करेंगे

पटना,(एजेंसी)। महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले पटना में तेजस्वी यादव ने बुधवार यानी 22 अक्टूबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़े ऐलान किए हैं। तेजस्वी ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही जीविका दीदी को स्थाई करेंगे। उनकी सैलरी 1० हजार से बढ़ाकर 3० हजार कर देंगे। तेजस्वी यादव ने संविदा कर्मचारियों को भी परमानेंट करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ये सरकार संविदा कर्मचारियों का शोषण कर रही है। डबल इंजन सरकार में जीविका दीदी का शोषण हुआ तेजस्वी ने कहा कि श्हमने पहले एक ऐतिहासिक घोषणा की थी कि जिन परिवारों के पास सरकारी नौकरियां नहीं हैं, उन परिवारों में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी। आज हम फिर एक ऐतिहासिक घोषणा करने जा रहे हैं। जीविका दीदी का जितना शोषण इस सरकार में हुआ है, शायद ही कभी हुआ होगा। हम अपनी यात्रा के दौरान कई जिलों में घूमकर आए और हर जगह हमें जीविका दीदी का समूह मिलता था।

रूसे से तेल खरीदने के ट्रंप के दावे पर सियासत, कांग्रेस बोली- पीएम छुपाते हैं, ट्रंप उजागर कर देते हैं

नई दिल्ली,(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार–बार यह कहने पर कि भारत रूस से अब ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा, कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी जो छिपाते हैं, ट्रंप वही उजागर कर देते हैं। छह दिन में चौथी बार ट्रंप ने भारत की विदेश नीति पर बयान दिया है। श्भारत अब रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगाश, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत और रूस को लेकर बार–बार किए जा रहे इस दावे को लेकर देश में सियासत तेज हो गई है। मामले में कांग्रेस ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि यह छह दिन में चौथी बार है जब ट्रंप ने भारत की विदेश नीति की घोषणा की है, जबकि प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। पार्टी का कहना है कि अमेरिका बार–बार भारत की नीतियों की जानकारी सार्वजनिक कर रहा है, जबकि भारत सरकार पारदर्शिता नहीं दिखा रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आखिरकार स्वीकार किया कि ट्रंप ने उन्हें फोन किया और दीवाली की बधाई दी, लेकिन सिर्फ इतना ही बताया, लेकिन मोदी जो छिपाते हैं, ट्रंप वो सब बता देते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने यह भी कहा है कि भारत रूस से तेल खरीद में कटौती कर रहा है और ये बात खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बताई है। जयराम रमेश ने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले 1० मई को ऑपरेशन सिंदूर के बंद होने की जानकारी भी ट्रंप ने पहले दी थी, न कि प्रधानमंत्री ने। क्या कहा ट्रंप और मोदी ने? बता दें कि बीते दिनों में कई बार ट्रंप भारत के रूस से तेल खरीद के मामले में बेतुका बयानबाजी कर चुके हैं। अंतिम बार उन्होंने ऐसा दावा पीएम मोदी से बातचीत के बाद किया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि मैं भारत के लोगों से प्यार करता हूं। हमने आज प्रधानमंत्री मोदी से बात की। वह रूस–यूक्रेन युद्ध खत्म करना चाहते हैं, इसलिए और अब भारत रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीद रहा। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि फोन कॉल और दीवाली की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद राष्ट्रपति ट्रंप। यह रौशनी का पर्व हमारे दोनों महान लोकतंत्रों को आशा की किरण बनने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट खड़े होने की प्रेरणा दे। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच ये फोन कॉल ऐसे समय पर हुआ है जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापार, टैरिफऔर रूस–यूक्रेन युद्ध जैसे मुद्दों पर मतभेद बढ़े हैं।

पीएम मोदी ने ट्रंप को फोन कॉल के लिए दिया धन्यवाद, कहा- आतंकवाद के खिलाफहम एकजुट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कॉल के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। दोनों नेताओं ने वैश्विक सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन कर दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। दिवाली पर दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई बात की जानकारी पीएम मोदी ने बुधवार को एक्स पर जानकारी साझा की। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने दीये जलाए। दीवाली के मौके पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं भारत के लोगों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। ट्रंप से पीएम मोदी ने फोन पर की बात पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन कॉल और दिवाली की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस त्योहार पर, हमारे दो महान लोकतंत्र दुनिया को उम्मीद की रोशनी देती रहें और हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहें। 16 सितंबर के बाद से पीएम मोदी और ट्रंप के बीच यह तीसरी सार्वजनिक रूप से ज्ञात फोन कॉल थी। वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 5० प्रतिशत टैरिफलगाए जाने के बाद भारत–अमेरिका संबंधों में तनाव जारी है। आज मेरी प्रधानमंत्री मोदी से बेहतरीन बातचीत हुई– ट्रंप डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फ्मैं भारत के लोगों को हमारी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

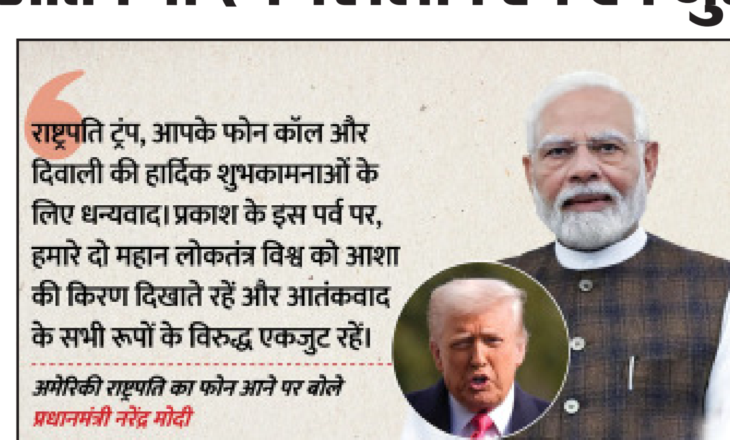

'महाकुंभ गर्ल' का बदला अवतार

महाकुंभ मेले ने मोनालिसा भोसले की किस्मत ही बदल दी. मेले में वो माला बेचने गई थीं, लेकिन वहां जाने के बाद वो इतनी वायरल हुईं कि उन्हें फिल् तक ऑफर हो गई. अब मोनालिसा सबकुछ छोड़कर एक्टिंग सीख रही हैं. कजरारी और खूबसूरत आंखों वाली मोनालिसा को महाकुंभ में माला बेचते पूरी दुनिया ने देखा. अब मोनालिसा एक्टिंग डेब्यू करने जा रही हैं और ऐसे में उनका लुक और ड्रेसिंग सेंस काफी बदल गया है. मोनालिसा अब अपने स्टाइल से हर किसी को सरप्राइज भी कर रही हैं. वेस्टर्न हो या देसी, वो हर अवतार में फैंस का दिल जीत रही हैं. इस ब्लैक ड्रेस में मोनालिसा काफी स्टनिंग दिख रही हैं. फोटो में उन्हें पूरे कॉन्फिडेंस के साथ पोज देते देखा जा सकता है. व्हाइट ब्लेजर और मैचिंग ईयररिंग्स पहने मोनालिसा का बॉसी अवतार देखने को मिला. उनके मेकअप और हेयरस्टाइल ने उनका पूरा लुक ही बदल दिया है. व्हाइट सूट में तो मोनालिसा किसी अप्सरा सी दिख रही हैं. हैवी झुमके और माथे पर लाल बिंदी उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं. अपनी किस्मत बदलने के बाद भी मोनालिसा अपनी कामयाबी की असल वजह को नहीं भूली हैं. कुंभ में माला बेचकर छाई मोनालिसा अक्सर अपने आउटफिट्स के साथ माला पहने नजर आती हैं. साड़ी में भी मोनालिसा बला की हसीन दिखती हैं. पिंक साड़ी के साथ मालाएं और चूड़ियां पहने एक्ट्रेस खूब जच रही हैं. व्हाइट कलर की साड़ी में भी मोनालिसा बेहद खूबसूरत दिख रही हैं. अपने लुक को उन्होंने मैचिंग जूलरी के साथ पूरा किया है. फिल्म डेब्यू से पहले मोनालिसा ब्राइडल लुक के लिए मॉडलिंग भी कर रही हैं. रेड कलर के इस लहंगेऔर हैवी ग्रीन जूलरी में वो बेहद खूबसूरत दिख रही हैं. इस मल्टीकलर लहंगे में मोनालिसा को पहचानना मुश्किल हो रहा है. उनका मेकअप हो या हेयरस्टाइल, सबकुछ उनपर बहुत अच्छा लग रहा है.

एक दशक बाद बड़े पर्दे पर लौटीं गीता बसरा

गीता बसरा ने क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ शादी के बाद फिल्मों से दूरी बना ली थी लेकिन एक बार फिर वह एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हो गईं। एक टॉक शो भी कर रही हैं। हाल ही में गीता बसरा ने अमर उजाला ने अपने करियर को लेकर खास बातचीत की। करीब एक दशक बाद गीता बसरा ने पंजाबी 'मेहर' के साथ कमबैक किया है। फिल्मों तक ही सीमित न रहकर वह अब अपने पति और क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ टॉक शो 'वि' जैम ठवे?' की होस्टिंग भी कर रही हैं। हाल ही में अपने कई की नई पारी को लेकर गीता बसरा ने अमर उजाला डिजिटल से लंबी बातचीत की। पढ़िए बातचीत के प्रमुख अंश- आपकी कमबैक पंजाबी फिल्म 'मेहर' को ऑडियंस से प्यार मिला, लेकिन बॉक्स ऑफिस के आंकड़े उतने अच्छे नहीं रहे। इसे लेकर आप कैसा महसूस कर रहे हैं? लोगों ने फिल्म को बहुत प्यार दिया। यह एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें इमोशन, रोमांस और ड्रामा सब कुछ है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़े दर्शकों के प्यार के बराबर नहीं थे। दरअसल, हम फिल्म को उस समय रिलीज कर रहे थे जब पंजाब में माहौल ठीक नहीं था। हमें पता था कि यह सही समय नहीं था। लेकिन मेरी नजर में फिल्म शानदार थी। मेरे कमबैक के लिए इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता था। आप इंडस्ट्री में लगभग एक दशक से हैं। क्या आपने जान-बूझकर कम काम करने का फैसला किया था? ये चॉइस का मामला नहीं था, जिंदगी के अलग-अलग चौप्टर्स होते हैं। कभी-कभी कुछ चीजें ज्यादा अहम होती हैं। मेरे लिए मेरी फैमिली सबसे पहले थी। मेरे बच्चे छोटे थे। शादी के बाद मेरा ध्यान परिवार पर था। अब जब बच्चे बड़े हो गए हैं, तो मुझे अपने लिए ज्यादा वक्त मिलता है। अब मैं अपने जुनून के लिए काम कर रही हूं, इस प्रोसेस का मजा ले रही हूं। मैं सिर्फ आंकड़ों का पीछा नहीं कर रही। वैसे शादी से पहले फिल्म इंडस्ट्री महिलाओं के लिए सपोर्टिव नहीं थी लेकिन मैं मानती हूं, जो हुआ अच्छा हुआ। अब आप हरभजन सिंह के साथ 'वि जैम ठवे? टॉक शो की मेजबानी कर रही हैं। यह अनुभव कैसा है? शो होस्ट करना मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव है। मुझे यह काम बहुत पसंद आ रहा है। यह पूरी तरह से नेचुरल है। हमारे शो में रिश्तों पर बातचीत है, प्यार-हंसी सब कुछ है। यह सब कुछ बिल्कुल नेचुरल है। माना एक्टिंग हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगी, लेकिन होस्टिंग से मैं अलग तरीके से ऑडियंस से जुड़ पाती हूं। इस शो में ऐसे पल भी हैं, जो लोग आमतौर पर पर्दे पर नहीं देखते हैं। यह टॉक शो मजेदार है, कभी-कभी थोड़ा मसालेदार भी है। क्रिकेटर की पत्नी होने के नाते आप पॉपुलैरिटी और क्रिटिसिज्म को कैसे देखती हैं? पॉपुलैरिटी हमेशा रहती है, चाहे आपने क्रिकेटर से शादी की हो या नहीं। लोग ऑनलाइन जल्दी राय बना लेते हैं, कभी-कभी बिना वजह भी राय बना लेते हैं। लेकिन घर पर हम बस आम लोग हैं। क्रिटिसिज्म हमें डिफाइन नहीं करता है। अपनी जिंदगी, परिवार और काम पर ध्यान देना जरूरी है। क्या एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में मेल एक्टर्स की तुलना में ज्यादा आलोचना का सामना करना पड़ता है? ऐसा नहीं है कि एक्ट्रेसेस को मेल एक्टर्स से ज्यादा आलोचना मिलती है। अगर लोग पसंद करेंगे तो तारीफ करेंगे, नहीं तो आलोचना करेंगे ही। इससे फर्क नहीं पड़ता है कि आप एक्ट्रेस हैं या एक्टर। आज नियम बदल गए हैं। अब स्टार पावर पहले जैसी नहीं रही, निर्माता भी इस दबाव को महसूस करते हैं। वुमन सेंट्रिक कहानियां अब ज्यादातर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हैं। ओटीटी के कारण यह बदलाव आया है। आपने प्रियंका चोपड़ा को बतौर आइडल खूब सराहा है। उनके बारे में सबसे इंस्पायरिंग बात क्या है? प्रियंका पूरी तरह से सेल्फमेड हैं। उन्होंने सब कुछ अपने दम पर हासिल किया। ना किसी की मदद ली, ना किसी तरह का शॉर्टकट अपनाया। पर्दे के पीछे वह कॉन्फिडेंस से भरी हैं। बहुत जमीन से जुड़ी इंसान हैं। वह दूसरों को भी आगे बढ़ने में मदद करती हैं। मैंने उन्हें कई बार देखा है। वह कभी इनसिक्योर नहीं रहीं। यही एक आइडल की पहचान है। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी भी इसी तरह खुद पर विश्वास करे और सबकुछ हासिल करे। अगर आप एक रात में बॉलीवुड में कोई बदलाव ला सकतीं, तो वह क्या होता? मैं इंडस्ट्री को और सपोर्टिव बनाना चाहती हूं। किसी के लिए दरवाजे जल्दी बंद नहीं होने चाहिए। जिंदगी एक पल में बदल सकती है। कभी-कभी टैलेंटेड लोगों को मौका नहीं मिलता है। मेरा माना है कि सभी लिए समान अवसर होने चाहिए। आलोचना और असफलताओं के बावजूद आप खुद को कैसे इंस्पायर करती हैं? सोच सबसे अहम है। जब आप जिंदगी में खुश होते हैं, तो इंस्पिरेशन अपने अच्छे काम से मिलती है। परिवार को गर्व महसूस कराने से मिलती है। मुझे दूसरों की राय की परवाह नहीं है। मैं बस काम करना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी यह सीखे कि महिलाएं शादी और मां बनने के अलावा भी जिंदगी में सपने देख सकती हैं। मैं अपनी विरासत के रूप में यही बात छोड़कर जाना चाहती हूं

इसे लेकर आप कैसा महसूस कर रहे हैं? लोगों ने फिल्म को बहुत प्यार दिया। यह एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें इमोशन, रोमांस और ड्रामा सब कुछ है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़े दर्शकों के प्यार के बराबर नहीं थे। दरअसल, हम फिल्म को उस समय रिलीज कर रहे थे जब पंजाब में माहौल ठीक नहीं था। हमें पता था कि यह सही समय नहीं था। लेकिन मेरी नजर में फिल्म शानदार थी। मेरे कमबैक के लिए इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता था। आप इंडस्ट्री में लगभग एक दशक से हैं। क्या आपने जान-बूझकर कम काम करने का फैसला किया था? ये चॉइस का मामला नहीं था, जिंदगी के अलग-अलग चौप्टर्स होते हैं। कभी-कभी कुछ चीजें ज्यादा अहम होती हैं। मेरे लिए मेरी फैमिली सबसे पहले थी। मेरे बच्चे छोटे थे। शादी के बाद मेरा ध्यान परिवार पर था।

अब जब बच्चे बड़े हो गए हैं, तो मुझे अपने लिए ज्यादा वक्त मिलता है। अब मैं अपने जुनून के लिए काम कर रही हूं, इस प्रोसेस का मजा ले रही हूं। मैं सिर्फआंकड़ों का पीछा नहीं कर रही। वैसे शादी से पहले फिल्म इंडस्ट्री महिलाओं के लिए सपोर्टिव नहीं थी लेकिन मैं मानती हूं, जो हुआ अच्छा हुआ। अब आप हरभजन सिंह के साथ 'वि जैम ठवे? टॉक शो की मेजबानी कर रही हैं। यह अनुभव कैसा है? शो होस्ट करना मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव है। मुझे यह काम बहुत पसंद आ रहा है। यह पूरी तरह से नेचुरल है। हमारे शो में रिश्तों पर बातचीत है, प्यार-हंसी सब कुछ है। यह सब कुछ बिल्कुल नेचुरल है। माना एक्टिंग हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगी, लेकिन होस्टिंग से मैं अलग तरीके से ऑडियंस से जुड़ पाती हूं। इस शो में ऐसे पल भी हैं, जो लोग आमतौर पर पर्दे पर नहीं देखते हैं। यह टॉक शो मजेदार है, कभी-कभी थोड़ा मसालेदार भी है। क्रिकेटर की पत्नी होने के नाते आप पॉपुलैरिटी और क्रिटिसिज्म को कैसे देखती हैं? पॉपुलैरिटी हमेशा रहती है, चाहे आपने क्रिकेटर से शादी की हो या नहीं। लोग ऑनलाइन जल्दी राय बना लेते हैं, कभी-कभी बिना वजह भी राय बना लेते हैं। लेकिन घर पर हम बस आम लोग हैं। क्रिटिसिज्म हमें डिफाइन नहीं करता है। अपनी जिंदगी, परिवार और काम पर ध्यान देना जरूरी है।

संम्पादकीय........

जीवन बचाने की पहल

देश में यदि अंगदान हेतु जागरूकता व प्रेरणादायक राष्ट्रव्यापी मुहिम चलाई जाए तो हर साल हम लाखों जिंदगियां बचा सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि देश में इसके लिये सरकार व समाज के स्तर पर गंभीर पहल अब तक नहीं की गई। वहीं कई अंधविश्वास और धार्मिक रूढ़िवादिता के चलते लोग अपने परिजनों के निधन पर अंगदान करने से परहेज करते हैं। विडंबना यह है कि देश में दशकों से इस मुद्दे पर चर्चा करने के बावजूद आज दस लाख लोगों पर सिर्फ०.९ अंगदाता हैं, जबकि एक छोटे से देश स्पेन का उदाहरण लें तो वहां यह दर तीस से ज्यादा है। यही वजह है कि जागरूकता के अभाव में हर साल लाखों मरीज अंग प्रत्यारोपण के इंतजार में मर जाते हैं। वहीं कई अन्य लोग अंग प्रत्यारोपण न हो पाने के कारण जीवन पर्यंत विकलांगता का जीवन जीने को अभिशप्त रहते हैं। इस राष्ट्रीय चुनौती को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने सभी अस्पतालों को अपने आईसीयू में अंग और ऊतक दान को प्रेरित करने वाली टीमें तैनात करने के निर्देश दिए हैं। निश्चित रूप से यह जरूरी है और समय की मांग भी है। इस दिशा में दशकों से प्रयासरत राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन एनओटीटीओ ने अब हर अस्पताल से ब्रेन-स्टेम डेथ कमेटी के सदस्यों और परामर्शदाताओं वाली एक समर्पित टीम बनाने का आग्रह किया है, जो मृतकों के परिवारों को इस प्रक्रिया में भागीदारी के लिये मार्गदर्शन करेगी। यह एक जरूरी कदम है क्योंकि समय पर परामर्श, जागरूकता और समन्वय के अभाव में हम उपयोग में आने वाले अंगों के दान से वंचित हो जाते हैं। हम अक्सर देखते हैं कि जब तक शोकसंतप्त परिवारों से संपर्क किया जाता है, तब तक अंग या ऊतक की पुनर्प्राप्ति का रास्ता हमेशा के लिये बंद हो चुका होता है। निश्चित रूप से इस दिशा में सार्वजनिक शिक्षा और पारदर्शी व्यवस्थाएं इस विश्वास की कमी की खाई को पाट सकती हैं। निस्संदेह, सरकारी निर्देश ही समस्या का समाधान नहीं है। कई अस्पतालों, खासकर छोटे शहरों में, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों, प्रशिक्षित आईसीयू कर्मचारियों और यहां तक कि अंगों के संरक्षण और परिवहन के लिये बुनियादी ढांचे का भी नितांत अभाव होता है। इस दिशा में गंभीर पहल न हो पाने के कारण अंग प्रत्यारोपण के मामले में निजी क्षेत्र के अस्पताल ही अभी आगे हैं, जबकि सरकारी अस्पताल इस दिशा में पिछड़ गए हैं। सरकारी अस्पतालों में अंगदान करने के लिये शोकसंतप्त परिवारों को प्रेरित करने के लिये प्रशिक्षण, संसाधन जुटाने तथा प्रोत्साहन के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन जुटाने की जरूरत है। जब वित्तीय मदद और अन्य सुविधाएं नहीं होंगी, तब सरकारी निर्देश भी इस दिशा में निष्प्रभावी रहेंगे। सबसे महत्वपूर्ण इस दिशा में लोगों का विश्वास अर्जित करना है। उन्हें बताना होगा कि मृत देह का यदि किसी को जीवन देने के रूप में उपयोग हो पाए तो वह ऋषिकर्म जैसा होगा। फिर खो चुके परिजन के अंग को भी वे इस कार्य से किसी अन्य शरीर में जीवंत रूप में देख सकेंगे। निस्संदेह, यह एक पुण्य का कार्य है जो मृतक परिजन की आत्मा को भी शांति देगा। विडंबना यह है कि भारत में आज भी अंगदान के विचार के साथ कई तरह के मिथक, भय और गलत जानकारियां जुड़ी हैं, जिसके चलते मृत व्यक्ति के परिजन अंगदान की पहल से गुरेज करते हैं। हमें इस दिशा में प्रगतिशील सोच के साथ जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। हमें सतही अनुष्ठानों से आगे बढ़कर मानव कल्याण के लिये आगे आना चाहिए। इस अभियान को हमें एक सहानुभूतिपूर्ण प्रचार-प्रसार के जरिए आगे बढ़ाना होगा। लोगों को बताना होगा कि यह सिर्फदान ही नहीं, मानवता के प्रति करुणा का भाव जगाना भी है। निस्संदेह, सरकार की पहल और निर्देश एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसे एक समन्वित राष्ट्रीय प्रयास के रूप में विकसित करना जरूरी होगाकृएक ऐसा प्रयास जो इस नीति को सहानुभूति व अंगदान को मानवता के कार्य से जोड़ सके। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से ही मृत्यु के बाद किसी को जीवन देने हेतु अंगदान का संकल्प एक सरकारी निर्देश के बजाय एक वास्तविक हकीकत बन पाएगा।

त्योहार के मौसम में सफर

दीपावली और छठ पर्व करीब आते ही राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी कतारें लग गई थीं। 12-14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की सत्ता संभाली है, उन्होंने लोगों को कतारों में खड़ा करने का काम शुरु कर दिया है। पहले नोटबंदी के वक्त लोग इसी तरह घंटों लाइन में लगे रहते थे। फिर कोरोना के समय लॉकडाउन कर दिया तो लोग घर लौटने के लिए बस, ट्रेन के इंतजार में लाइन में लग गए। बीमार हुए तो अस्पतालों में बिस्तर कम होने के कारण भर्ती के इंतजार में लाइन में लगे और बिस्तर मिल गए तो ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लाइन में लगे। हालांकि इसके बाद भी राहत नहीं मिली, क्योंकि फिर अपने मृत परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए भी कतारों में लगने का दर्द लोगों को सहना पड़ा है। पांच साल में देश-दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। लेकिन भारत जैसे वहीं का वहीं है। प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आ गए।

वे अब भी यहां-वहां ट्रेनों को हरी झंडियां दिखा रहे हैं, नए विमानतलों का उद्घाटन कर रहे हैं। उनका दावा अब भी वही है कि मैं हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में यात्रा करते देखना चाहता हूं। लेकिन हकीकत ये है कि न नई ट्रेनों का लाभ आम आदमियों को मिल रहा है, न हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करने का सुख पा रहे हैं। बल्कि पहले से अधिक असुविधा और अपमानजनक रवैया का शिकार हो रहे हैं। अपने घर जाने के लिए घंटों लाइन में लगकर यात्री ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करें, यह किसी भी देश के लिए शर्मिंदगी का प्रसंग होना चाहिए। लेकिन भारत में अब ऐसे प्रसंगों पर आंख मूंद ली जाती है, मानो इनका कोई महत्व ही नहीं है। इसकी बजाए प्रचार तंत्र के जरिए यह दिखाया जा रहा है कि सरकार को यात्रियों की कितनी फिक्र है। शनिवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचकर भीड़ नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लिया। बताया गया कि स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री सुविधा केंद्र और अतिरिक्त टिकटिंग काउंटर बनाए गए हैं। अच्छी बात है कि दिल्ली के एक स्टेशन पर इतनी सुविधा की गई है। लेकिन क्या यात्री केवल दिल्ली से ही सवार होते हैं। सूरत में लगी लाइन पर रेल मंत्री क्या कहेंगे। क्या प्रधानमंत्री मोदी को अपने ही गृहराज्य में प्रवासी मजदूरों की इस भीड़ को देखकर अपने विकास के दावे खोखले नहीं लगते। ध्यान दें कि अभी बिहार चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी जितनी बार बिहार पहुंच रहे हैं, वे विकास की बड़ी-बड़ी बातें ही कर रहे हैं। दावे कर रहे हैं कि डबल इंजन की सरकार में सबको सुख मिलेगा। हालांकि बिहार में अब भी डबल इंजन यानी बीजेपी और जेडीयू की ही सरकार है, तब भी वहां लोगों को रोजगार नहीं मिला और काम की तलाश में ही लोगों को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ा। बिहार का मजदूर गुजरात से लेकर दिल्ली, उत्तराखंड, असम और कश्मीर तक हर जगह मिल जाएगा। इसी मजदूर वर्ग को छठ पूजा के लिए जब अपने घर-गांव लौटने का मन होता है, तो वो ट्रेनों में भेड़-बकरियों की तरह ठूंस कर भी आने की कोशिश करता है। हालांकि इसमें कई बार जान का जोखिम होता है। जैसे तीन दिन पहले मुंबई से बिहार जाने वाली कर्मभूमि एक्सप्रेस को पकड़ने की कोशिश में तीन यात्री ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि नासिक रेलवे स्टेशन पर ये हादसा हुआ। कर्मभूमि एक्सप्रेस यहां रुकती नहीं है, लेकिन धीमी होती है। जिस पर चढ़ने की कोशिश तीन लोगों ने की। मान लिया कि उन लोगों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की भारी गलती की और ट्रेन का स्टॉपेज नहीं है, तो उस पर नहीं चढ़ना चाहिए था। लेकिन कोई तो मजबूरी रही होगी जिस वजह से ऐसा जोखिम पीड़ितों ने उठाया होगा। त्योहार के मौसम में सरकार ऐसी व्यवस्था पहले से क्यों नहीं करती कि सारे लोग आराम से आना-जाना कर सकें। नयी ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने और फोटो खिंचवाने के लिए तो प्रधानमंत्री या रेल मंत्री जैसे पद नहीं बने हैं। इन पदों पर बैठने वाले नेताओं की पहली प्राथमिकता आम आदमी की सुख सुविधा होना चाहिए। देश में रेल की नयी पटरियां बिछे, नए मार्ग तैयार हों, कम कीमत में सुरक्षित यात्रा का इंतजाम हो। आलीशान ट्रेनों की जगह ठीकठाक सुविधाओं वाली साधारण ट्रेनें ज्यादा से ज्यादा चलें, तो करोड़ों लोगों के जीवन में थोड़ा चौन आ जाएगा। इस सफलता का श्रेय फिर सरकार को ही जाएगा, ये बात नरेन्द्र मोदी क्यों नहीं समझ रहे हैं।

Image credit: istockphoto.com/Yosanon Yingyuenyong

कभी-कभी हार न मानना ही उपदेश बन जाता है

कुछ साल पहले, मेरा एक करीबी दोस्त शराब की लत में बुरी तरह फंस गया था। एक होनहार, काबिल नौजवान को शराब की लत में गिरते देखना दिल दहला देने वाला था। एक रात वह अपनी कार लेकर, पूरी तरह नशे में, लोनावला (मुम्बई) तक चला गया। मैं उसे बार-बार फोन करता रहा, उससे रुकने, वापस मुडने और किसी सुरक्षित जगह पर गाड़ी रोकने की विनती करता रहा। उसने मेरे ज्यादातर फोन का जवाब नहीं दिया। आखिरकार जब उसने फोन उठाया तो उसकी आवाज लडखड़ा रही थी और वह गुस्से में था। मुझे लगा कि उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कर रहा है। महीनों बाद, जब वह किसी तरह शराब पीना छोड़ पाया तो वह मुझसे कॉफी हाऊस पर मिला और कुछ ऐसा कहा जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। उसने कहा, ''बॉब, तुम्हें याद है वह रात जब मैं नशे में गाड़ी चला रहा था और तुम मुझे बार-बार फोन कर रहे थे। तुम्हें लगा था कि मैं तुम्हें सुन नहीं पा रहा हूं लेकिन मैं सुन रहा था और उस धुंध में, एक ही बात मेरे दिमाग से नहीं निकल रही थी, कि क्या मैं इतना काबिल हूं कि बॉब मुझे फोन करता रहे? क्योंकि यही वह वक्त था जब मैं खुद को सबसे ज्यादा नाकाबिल महसूस कर रहा था। मैं पीना बंद नहीं कर पा रहा था। मैंने सबको निराश किया था, खुद को भी। लेकिन तुम्हारे फोन मुझे कुछ और बता रहे थे कि कोई अब भी मुझे बचाने लायक समझता है।'' मैं काफी देर तक चुप रहा। उसके शब्दों ने मुझे बरसों में सुनी किसी भी बात से ज्यादा गहरा धक्का पहुंचाया। हम अक्सर सोचते हैं कि लोगों को उपदेश देने, उन्हें डांटने या उन्हें लंबा-चौड़ा उपदेश देने से वे वापस आ जाएंगे। लेकिन कभी-कभी, बस हार न मानने का काम ही उपदेश बन जाता है। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां लोगों को आसानी से नजरअंदाज कर दिया जाता है। एक बार असफल हो जाओ और तुम्हें नकार दिया जाता है। किसी कमजोरी से जूझो और तुम्हें निराशाजनक करार दे दिया जाता है। अपना रास्ता भटक जाओ और अचानक हर कोई यह दिखावा करने लगता है कि वे तुम्हें जानते ही नहीं थे। हम इसे व्यावहारिक होना कहते हैं। लेकिन असल में इससे यही पता चलता है कि हम भूल गए हैं कि अनुग्रह कैसे काम करता है। मेरा दोस्त इसलिए संयम में नहीं लौटा क्योंकि किसी ने उसे पाप के बारे में उपदेश दिया था। वह कई कारणों से लौटा लेकिन उनमें से एक यह था कि किसी को विश्वास था कि वह अभी भी योग्य है। उस विश्वास ने उसके अंदर एक इच्छचगारी जलाई जब उसके अंदर खुद की कोई रोशनी नहीं बची थी। इस समय हमारे आस-पास ऐसे लोग हैं जो चुपचाप अपने ही राक्षसों से लड़ रहे हैं। जैसे नशे की लत, अवसाद, असफलता और शर्म। आपको शायद पता न हो लेकिन आपका धैर्य, आपका फोन कॉल, उनका साथ न छोडना ही शायद उन्हें बचा सकता है। जब हम किसी को उसके सबसे बुरे समय में देखते हैं और फिर भी उसे प्यार के लायक समझते हैं तो हम वही दोहराते हैं जो परमेश्वर हर दिन हमारे साथ करता है। वह पुकारना कभी बंद नहीं करता। जब हम पूरी गति से गलत दिशा में गाड़ी चला रहे होते हैं, तब भी वह फोन करता रहता है, फुसफुसाता रहता है और कहता है, 'तुम अब भी मेरे हो।' तो अगली बार जब कोई आपको निराश करे तो जल्दी से वहां से न जाएं। यह न सोचें कि उनकी मदद नहीं की जा सकती। याद रखें कि आपकी दृढ़ता एक दिन उन्हें यह कहने पर मजबूर कर सकती है, ''क्या मैं सचमुच इतना योग्य हूं''। और हो सकता है कि आंसुओं और जागृति के माध्यम से पूछा गया यह प्रश्न, उनके घर वापसी के सफर की शुरुआत हो!

अदा शर्मा स्टारर फिल्म 'द केरला स्टोरीश् ने हाल ही में नेशनल अवॉर्ड हासिल किया। आगे वह एक इंटरनेशनल फिल्म में भी दिखेंगी। उनसे आगामी प्रोजेक्ट्स समेत कई पहलुओं पर हुई बातचीत... 'द केरला स्टोरीश् को नेशनल अवॉर्ड मिलने का पल आपके लिए कैसा रहा? बहुत ही खास होता है। मुझे लगता है कि सबसे पहले तो हमें दर्शकों की तरफ से ही अवॉर्ड मिल चुका था, क्योंकि इस फिल्म ने इतने सारे रिकॉर्ड तोड़े, वह सब तो दर्शकों ने ही करवाया था। लेकिन असल में भी नेशनल अवॉर्ड मिला तो वह पहचान मिलना बहुत अच्छा लगता है। एक एक्टर के तौर पर और 'द केरला स्टोरीश् जैसी फिल्म के लिए बहुत ही स्पेशल महसूस होता है। चाहे वह दर्शकों का सपोर्ट हो या कोई अवॉर्ड हो, जब आपके काम को सराहा जाता है तो अच्छा लगता है। सुदीप्तो सेन बोले कि बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड आपको भी मिलना चाहिए था? वह फिल्म के डायरेक्टर हैं, तो उनका प्यार और सपोर्ट बहुत नैचुरल है। यह एक कलेक्टिव एफर्ट था। 'द केरला स्टोरी' सिर्फ मेरी नहीं, पूरे देश की फिल्म रही है। बिना बड़े प्रमोशन या मार्केटिंग के दर्शकों ने इसे हिट बनाया। इसलिए जो भी अवॉर्ड या कॉम्प्लीमेंट इसे मिल रहा है, उसे टीम और दर्शकों के साथ शेयर करती हूं, क्योंकि यह सबके प्यार और मेहनत का नतीजा है। अदा ने विक्रम भट्ट की फिल्म श1920श् से करियर की शुरुआत की थी। जब ऐसे बोल्ड या संवेदनशील मुद्दे वाली फिल्में ऑफर होती हैं तो आपका क्या माइंडसेट रहता है? मेरे लिए पहली फिल्म '1920' भी बोल्ड थी, क्योंकि पहली बार दर्शक मुझे देख रहे थे। मैं हीरोइन थी लेकिन मेरे अंदर भूत था। यह दिखाता है कि बोल्ड सिर्फ रोमांस या ग्लैमरस दिखने में नहीं है, बल्कि किरदार की सच्चाई में है। चाहे फिल्म रियल लाइफ पर बेस्ड हो या फिक्शनल, मैं हमेशा एक ही एप्रोच अपनाती हूं कि किरदार को रियल बनाना है। मेरी कोशिश यह रहती है कि दर्शक महसूस करें कि वह मेरे साथ वह पल जी रहे हैं। बोल्ड या संवेदनशील होने की चिंता मेरे लिए सेकेंडरी है। मैं हमेशा किरदार और उसकी सच्चाई पर फोकस करती हूं। मुझे लगता है कि बोल्ड की परिभाषा हर किसी के लिए अलग होती है। श्रीता सान्यालश् का सीजन 2 भी आने वाला है, इसके बारे में क्या कहेंगी? हां, 'रीता सान्यालश् का सीजन 2 अनाउंस कर दिया गया है, तो मैं कह सकती हूं कि यह डेफिनेटली आएगा। इसके सीजन 1 को इतना प्यार मिला था, तो मुझे उम्मीद है कि सीजन 2 भी लोगों को उतना ही पसंद आएगा। 'द केरला स्टोरीश् के बाद लोगों ने शायद सोचा था कि मैं सिर्फ सीरियस चीजें ही करूंगी, इसलिए 'रीता सान्यालश् और 'सनफ्लावर सीजन 2श् जैसे प्रोजेक्ट्स का मिलना अच्छा था। यह इसलिए भी अच्छा था क्योंकि लोगों ने मुझे उस अंदाज में भी देखा। 'रीता सान्यालश् एक काफी मजेदार शो है, जिसमें मस्ती भी है। इन दिनों आप किन प्रोजेक्ट्स की शूटिंग कर रही हैं? मैं अभी तीन फिल्में शूट कर रही हूं, पर मैं चाहती हूं कि प्रोड्यूसर्स ही उनके बारे में अनाउंस करें। जैसे 'द केरला स्टोरीश, 'रीता सान्यालश, उसके बाद 'सनफ्लावरश् भी रिलीज हुई थी। तब मैंने किसी को नहीं बताया था और फिर ट्रेलर के साथ हम लोग आए, तो सब लोग उत्साहित थे। हालांकि अभी मैं एक-दो हॉरर फिल्में कर रही हूं, जो एक-दूसरे से बहुत अलग हैं। मैं एक एक्शन फिल्म भी कर रही हूं, एक रोमांटिक फिल्म भी कर रही हूं और एक ट्राइ-लैंग्वेज फिल्म भी कर रही हूं। जिसमें मैं देवी के किरदार में हूं। 'द केरला स्टोरीश् के बाद लोग मुझे काफी दिलचस्प सब्जेक्ट्स के साथ ट्रस्ट कर रहे हैं, जहां पर लड़की का रोल जो है, वह कुछ अलग ही है। ऐसा नहीं है कि मुझे टाइपकास्ट करके एक ही चीज दे रहे हैं। मेरे पास एक बड़ा इंटरनेशनल प्रोजेक्ट भी है।

बदलते मौसम में खांसी, गले में खराश और छाती में जमे बलगम की समस्या आम है। इस देसी नुस्खे में उपयोग होने वाले शहद, अदरक, हल्दी और काली मिर्च में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो कफ को पतला कर बाहर निकालने और श्वसन मार्ग को साफ करने में सहायक हैं, जिससे गले और छाती के दर्द से भी आराम मिलता है।

मौसम बदलने से हेल्थ से जुड़ी कई समस्याएं बढ़ जाती है। कुछ ही हफ्तों में काफी मौसम में बदलाव आया है। इस मौसम अपनी सेहत पर ध्यान देना काफी जरुरी है। बार-बार खांसी और गले की खराश से लोग परेशान हो जाते है। छाती में जमा हुआ बलगम से इतनी दिक्कत दे देती है कि सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। सीने में जमा हुआ बलगम के कारण गले और छाती में दर्द होने लगता है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान हैं तो आप अपनी रसोई में रखें इन चीजों से आराम पा सकते हैं। आइए आपको इस देसी नुस्खा के बारे में बताते हैं।

खांसी और सीने में जमे बलगम को दूर भागने का देसी नुस्खा

– सबसे पहले आप 1 चम्मच शहद लें और इसमें 1 टीस्पून अदरक का जूस, 1 चुटकी हल्दी और चौथाई टीस्पून काली मिर्च मिला दीजिए। फिर इसे अच्छे से मिक्स कर लें। इसको आप सोने से पहले ही करें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

– काली मिर्च बलगम को भागने का कार्य करता है। इसके बाद कफ आसानी से निकल जाता है। काली मिर्च में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के कारण यह इंफ्लेमेशन को कम करती है और यह सांस लेने वाले मार्ग को भी साफ करती है।

– हल्दी में कर्क्युमिन होता है, जो बलगम को दूर करता है और इंफेक्शन्स से सुरक्षित रखता है।

– अदरक एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह जुकाम के लिए काफी फायदेमंद होता है। अदरक खांसी और गले की खराश दूर करने में मदद करता है।

– शहद में कई सारे गुण होते हैं, जो खांसी को दूर करते हैं। यह गले की सूजन को भी कम करता है। इस देसी नुस्खा को आप जरुर ट्राई करें। यह आपको काफी फायदा पहुंचाएगा।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

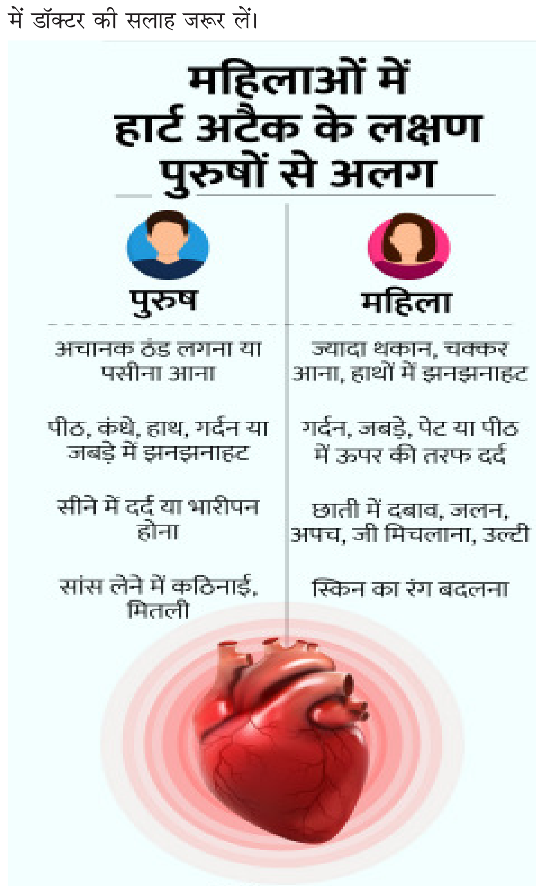

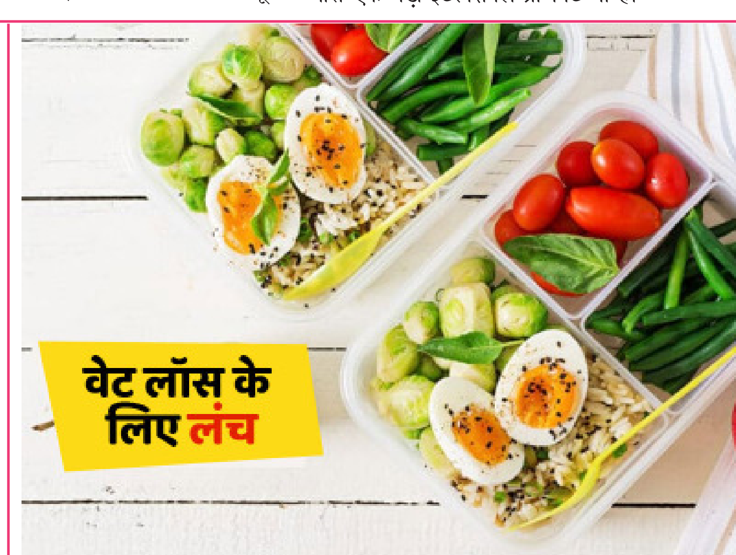

पेरिमेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं और इस दौरान उनके अंडाशय हार्मोन्स का उत्पादन कम करना शुरूकर देता है। जिसके कारण महिलाओं के शरीर में पेरिमेनोपॉज फेज में हार्मोन्स का लेवल गिरने लगता है।

अपने जीवन में महिलाओं को कई तरह के शारीरिक बदलावों से गुजरना पड़ता है। महिलाओं को पेरिमेनोपॉज फेज से गुजरना पड़ता है। बता दें कि यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें महिलाओं में पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। महिलाओं का यह फेज कुछ सालों तक चलता है। फिर उसके बाद मेनोपॉज फेज शुरू हो जाता है। पेरिमेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं और इस दौरान उनके अंडाशय हार्मोन्स का उत्पादन कम करना शुरूकर देता है। जिसके कारण महिलाओं के शरीर में पेरिमेनोपॉज फेज में हार्मोन्स का लेवल गिरने लगता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पेरिमेनोपॉज फेज में कौन-से हार्मोन्स का स्तर कम हो जाता है।

पेरिमेनोपॉज में कौन से हार्मोन्स कम होते हैं

पेरिमेनोपॉज के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हार्मोन्स का लेवल कम हो जाता है। अगर आप भी इस फेज में हैं, तो आपके शरीर में इन हार्मोन्स का लेवल धीरे-धीरे कम हो सकता है।

एस्ट्रोजन हार्मोन

महिलाओं के शरीर में पेरिमेनोपॉज के दौरान एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल धीरे-धीरे कम हो जाता है। वहीं जब महिला पेरिमेनोपॉज फेज में आती है, तो शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल कम हो जाता है। पेरिमेनोपॉज के दौरान मेनोपॉज फेज तक में गिरावट आ जाती है।

प्रोजेस्टेरोन हार्मोन

महिलाओं के शरीर में पेरिमेनोपॉज के दौरान प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का लेवल कम होने लगता है। जब महिला पेरिमेनोपॉज फेज में आती हैं, तो शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन के अलावा प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का लेवल भी कम होने लगता है। रिप्रोडक्टिव हेल्थ के लिए प्रोजेस्टेरोन हार्मोन बहुत जरूरी होता है। लेकिन जब शरीर में इस हार्मोन की कमी होती है, तो पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का लेवल कम होने पर महिलाएं प्रेग्नेंट हो सकती हैं, हालांकि इसकी संभावना कम हो सकती है।

हार्मोन्स का लेवल गिरने से होने वाली समस्याएं

बता दें कि पेरिमेनोपॉज के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन्स का लेवल कम होने लगता है। इस कारण महिलाओं को कई तरह की शारीरिक और मानसिक बदलावों का सामना करना पड़ता है।

पेरिमेनोपॉज के दौरान महिलाओं को को हॉट फ्लैशेज की समस्या का भी सामना करना पड़ता है।

इस दौरान महिलाओं के पीरियड्स अनियमित होने लगते हैं और साथ ही स्तनों में भी कोमलता आती है।

स्टेटमेन्ट टुडे
(राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक) लखनऊ
27 अक्टूबर 2025 सोमवार

सीरीज में वापसी करने उतरेगा भारत

कुलदीप को मिलेगी जगह या एकादश में नहीं होगा बदलाव?

एडिलेड। एडिलेड ओवल में चुनौतियां अलग नहीं होंगी, क्योंकि मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को एडिलेड में तीन मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम फिलहाल सीरीज में ०-1 से पिछड़ी हुई है और उसकी नजरें वापसी करने पर टिकी होंगी। भारत का ऑस्ट्रेलियाई धरती पर वनडे में रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन टीम अपनी पिछली गलतियों में सुधार कर ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयार होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में खेले गए पिछले मैच में बारिश का साया था और मैच 26-26 का कराया जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह है कि एडिलेड में बारिश की संभावना कम है। वहीं, एक बार फिर से सभी की निगाहें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके सीरीज बराबर करने में अपना योगदान देना चाहेंगे। ये दोनों खिलाड़ी पहले मैच में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके थे। पर्थ में प्रभावित नहीं कर सके थे भारतीय गेंदबाज पर्थ वनडे में भारतीय गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाए थे लेकिन मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल जैसे गेंदबाजों को केवल 131 रन के लक्ष्य का बचाव करना था जो आसान काम नहीं था। एडिलेड ओवल में भी चुनौतियां अलग नहीं होंगी, क्योंकि मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। उम्मीद की जा रही है कि पर्थ की तुलना में एडिलेड में बल्लेबाजों को मदद मिलेगी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में पिचों पर उछाल और गति होती है और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है। प्लेइंग-11 में बदलाव की कितनी संभावना? इस बात की पूरी संभावना है कि भारत दूसरे मैच में भी उसी 11 खिलाड़ियों के साथ खेलेगा जो पहले मैच में खेले थे। वाशिंगटन सुंदर की जगह कुलदीप यादव गेंदबाजी में अच्छे विकल्प होते लेकिन एडिलेड ओवल की बाउंड्री छोटी हैं और यहां कलाई का यह स्पिनर रन लुटा सकता है। अगर टीम एक अतिरिक्त स्पिनर को लेने का सोचेगी तो किसी तेज गेंदबाज की जगह कुलदीप को मौका मिल सकता है। हालांकि, इसकी संभावना बेहद कम है। रोहित-कोहली ने जमकर किया अभ्यास पिछले मैच में विफल रहे रोहित और कोहली ने दूसरे वनडे से पहले नेट्स पर जमकर अभ्यास किया। रोहित एडिलेड ओवल के अभ्यास मैदान में कम से कम 45 मिनट पहले पहुंच गए, जबकि कुछ अन्य सदस्य वैकल्पिक नेट सत्र के लिए उनके साथ शामिल हुए। रोहित ने जहां जमकर अभ्यास किया वहीं कोहली ने मंगलवार को नेट पर काफी समय बिताने के बाद विश्राम किया। ऑस्ट्रेलिया टीम में जांपा की वापसी ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच के हीरो बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन को रिलीज कर दिया है और अनुभवी लेग-ब्रेक गेंदबाज एडम जांपा अपने बच्चे के जन्म के बाद वापस आ गए हैं। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की भी वापसी हुई है। इस बात की संभावना अधिक है कि जांपा को दूसरे वनडे के लिए प्लेइंग-11 में शामिल होने का मौका मिलेगा। दूसरे वनडे मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 इस प्रकार है... भारतरू रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह। ऑस्ट्रेलियारू ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैट रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिचेल ओवन, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, एडम जांपा, जोश हेजलवुड।

ऑस्ट्रेलियाई धरती पर दोनों टीमों के बीच वनडे के आंकड़े

कुल मैच	55
भारत जीता	14
ऑस्ट्रेलिया जीता	39
बेनतीजा	02

भारतीय फैंस के लिए बुरी खबर, गोवा में नहीं दिखेगा क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जलवा, अल-नस्त्र ने की पुष्टि

सऊदी प्रो लीग टीम अल नस्त्र एफसी ने हफ्तों की अटकलों पर विराम लगाते हुए पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के फैंस को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, रोनाल्डो बुधवार को गोवा में इंडियन सुपर लीग क्लब एफसी गोवा के खिलाफएएफसी चौंपियंस लीग टू ग्रुप मैच में नहीं खेलेंगे। फतोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले मैच से पहले सऊदी टीम बीती 2० अक्तूबर की रात को गोवा पहुंची। मैच से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंगलवार को अल-नस्त्र के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि रोनाल्डो बाकी टीम के साथ नहीं गए क्योंकि उन्हें गेम टाइम मैनेज के लिए आराम दिया गया है। रोनाल्डो की अनुपस्थिति के बावजूद सऊदी प्रो लीग टीम अभी भी सितारों से सजी एक टीम उतार सकती है। इसमें लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड सादियो माने, एटलेटिको मैड्रिड के पूर्व मिलफील्डर जोआओ फेलिक्स और बायर्न म्यूनिख के पूर्व विंगर किंग्सले कोमन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस मैच में भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। इस हाई-प्रोफाइल मैच की सुरक्षा व्यवस्था के लिए कम से कम 6०० पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। साउथ गोवा के पुलिस अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हरिश्चंद्र वी, मडकाइकर ने बताया कि एक व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि, आतंकवाद निरोधी दस्ता, पिंक फोर्स, पुलि, नियंत्रण कक्ष वैन और एक आईआरबी प्लाटून तैनात की जाएगी। सीसीटीवी युक्त एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए निकासी योजना तैयार की गई है।

सीधा फाइनल के लिए खेलेगी पुणेरी पल्टन, प्रो कबड्डी लीग की अंक तालिका की पूरी जानकारी

प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन का आयोजन अब अपने आखिरी सफर पर पहुंच गया है। इस सीजन में कुल 12 टीमें खेल रही हैं। हर टीम लीग स्टेज में 18-18 मैच खेलेंगी। मतलब लीग स्टेज में कुल 1०8 मैच खेले जाएंगे। बुधवार, 15 अक्तूबर तक 87 मैच खेले जा चुके हैं। 21 मैच खेले जाने हैं लेकिन टॉप 2 में पुणेरी पल्टन ने अपना स्थान पक्का कर लिया है। प्रो कबड्डी लीग 2०25 में लीग स्टेज के मुकाबले 23 अक्तूबर तक खेले जाएंगे। सभी मैच दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। फॉर्मेट की बात करें तो सभी टीमें 18-18 मैच खेलेंगी। अंक तालिका में टॉप-2 पर जो टीमें होंगी। उन्हें सीधा फाइनल में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। यानी दोनों के बीच क्वालिफायर 1 खेला जाएगा। जीतने वाली टीम फाइनल में जाएगी और हारने वाली को एक और मौका मिलेगा। अंक तालिका में तीसरे और चौथे स्थान की टीम मिनी क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेंगी। जबकि 5वें और 8वें स्थान की टीम प्ले इन के क्वालीफाई करेंगी। 9 से 12वें स्थान की टीमों का सफर लीग स्टेज से ही खत्म हो जाएगा। अंक तालिका के बाद आपको प्रो कबड्डी लीग के फॉर्मेट की डिटेल में जानकारी दी गई है।

लियोनेल मेसी ने 38 की उम्र में बिखेरा जादू

लियोनेल मेसी ने मेजर सॉकर लीग में अपने करियर की दूसरी हैट्रिक बनाई, जिससे इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेसी एमएलएस के वर्तमान सत्र में अभी तक 29 गोल कर चुके हैं और वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2०25 एमएलएस सीजन का गोल्डन बूट जीत लिया है। पिछली बार उन्होंने इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। लियोनेल मेसी ने अपना पहला गोल 34वें मिनट पर दागा था। इसके बाद दूसरा गोल उन्होंने 63वें मिनट पर पेनल्टी से किया। इसके बाद 81वें मिनट पर मेसी ने तीसरा गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके अलावा इंटर मियामी के लुए बाल्तासार रोड्रिग्ज ने 67वें मिनट पर गोल किया। वहीं तेलास्को सेगोविया ने 9० प्लस 1 मिनट पर इंटर मियामी के लिए पांचवां और आखिरी गोल किया।

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर आईसीसी बैठक में बीसीसीआई और पीसीबी के बीच टकराव की संभावना

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगले महीने होने वाली बैठक में टकराव की स्थिति बन सकती है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख के तौर पर व्यक्तिगत रूप से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने के अपने रुख से पीछे नहीं हट रहे हैं।

किस तरह भारतीय टीम के संयोजन में बने रह सकते हैं सरफराज खान? इस नंबर पर खेलें तो बन सकती है बात

नई दिल्ली। सरफराज को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया था और अब उन्हें दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए टीम में जगह नहीं मिली है। भारतीय टीम के बल्लेबाज सरफराज खान घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद टीम में जगह नहीं बना पा रहे हैं। सरफराज को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया था और अब उन्हें दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए टीम में जगह नहीं मिली है। सरफराज की अनदेखी से सोशल मीडिया पर फैंस का गुस्सा देखने मिला और प्रशंसकों ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को आड़े हाथों लिया था। सरफराज ने पिछली बार भारत ए के लिए कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ92 रन की पारी खेली थी और पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफसीरीज के दौरान वह बंगलूरू के सेंटर ऑफएक्सीलेंस में स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। मंगलवार को जब राष्ट्रीय चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच के लिए भारतीय टीम का चयन किया तो बुधवार को अपना 28वां जन्मदिन मनाने वाले सरफराज का नाम ऋषभ पंत की अगुआई वाली दो अलग-अलग टीम में नहीं था। सरफराज को मौका नहीं मिलने से हैरत में पड़े फैंस सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में दम दिखाया और पिछले कुछ दिनों में अपना वजन भी कम कर लिया है। इसके बावजूद उन्हें मौका नहीं मिलने से फैंस हैरत में हैं। हालांकि, इसका दूसरा पहलू भी है और अगर अजीत अगरकर और भारतीय टीम प्रबंधन के नजरिए से इस फैसले को देखा जाए तो यह उतना विवादास्पद नहीं लगेगा जितना सोशल मीडिया इसे बना रहा है। ऐसे में सवाल यह उठते हैं कि क्या सरफराज टीम संयोजन की योजना में फिट नहीं बैठ रहे? किस स्थान पर खेल सकते हैं सरफराज?

खुद से एशिया कप ट्रॉफी सौंपने की मांग पर अड़े मोहसिन नकवी, क्या अब आईसीसी बैठक में ही होगा फैसला?

कराची। बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे अपने जवाब में नकवी ने बताया कि वह दुबई में 1० नवंबर को एक समारोह आयोजित करना चाहते हैं जिसमें बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध सदस्य आकर उनसे ट्रॉफी ले। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले महीने होने वाली आईसीसी की बैठक में आमने-सामने हो सकते हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने खुद से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने की मांग पर अड़े हुए हैं। मालूम हो कि नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के भी अध्यक्ष हैं। भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब जीता था, लेकिन टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने नकवी से ट्रॉफी देने कहा बीसीसीआई ने हाल ही में नकवी को ट्रॉफी सौंपने के लिए ई-मेल लिखा था। बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे अपने जवाब में नकवी ने बताया कि वह दुबई में 1० नवंबर को एक समारोह आयोजित करना चाहते हैं जिसमें बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध सदस्य आकर उनसे ट्रॉफी ले। नकवी ने अपने जवाब में लिखा, एसीसी ट्रॉफी सही मायने में भारतीय क्रिकेट टीम की है और इसे तब तक ट्रस्ट में रखा जाएगा जब तक कि बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता। इसके लिए, भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा क्योंकि हमें स्थापित परंपराओं से नहीं हटना चाहिए और कोई भी ऐसी मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए जो उस खेल की भावना को कमजोर करे जिसे हम सभी प्यार करते हैं। बीसीसीआई और पीसीबी के बढ़ रहा तनाव आईसीसी प्रमुख जय शाह हैं जो बीसीसीआई के पूर्व सचिव रह चुके हैं। मालूम हो कि भारत को ट्रॉफी सौंपने के लिए बीसीसीआई को अफगानिस्तान और श्रीलंका का भी समर्थन मिला था। इस प्रतिक्रिया से बीसीसीआई और पीसीबी के बीच अविश्वास और तनाव का स्पष्ट संकेत मिलता है। नकवी के जवाब के बाद यह तय है कि बीसीसीआई इस मुद्दे को आईसीसी के समक्ष उठाएगा, ऐसे में ट्रॉफी विवाद पर गेंद अब आईसीसी के पाले में आना तय है। नकवी ने अपने जवाब में कहा, जहां तक आपके पत्र के शेष भाग का सवाल है तो एसीसी अध्यक्ष का कार्यालय ऐसी तुच्छ राजनीति में शामिल नहीं होगा जिसका उद्देश्य चुनिंदा चरमपंथी समूहों को खुश करना हो।

स्टेटमेन्ट टुडे
(राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक) लखनऊ
27 अक्टूबर 2025 सोमवार

एक्सप्रेस–वे पर चलती एसी बस में भीषण आग

90 की स्पीड में टायर फटा, दिल्ली से गोंडा जा रहे 70 यात्री बाल–बाल बचे

लखनऊ,(एजेंसी)। लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस–वे पर चलती ß बस का अचानक टायर फट गया। इसके बाद भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में बस आग का गोला बन गई। हादसे के वक्त 70 यात्री सवार थे, सभी बाल–बाल सुरक्षित बच गए। आग इतनी भयंकर थी कि धुएं का गुबार दो किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। यात्रियों और आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। हालांकि, आग नहीं बुझी। करीब एक घंटे बाद मौके पर दमकल की टीम पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस जल चुकी थी। हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे काकोरी थाना इलाके में एक्सप्रेस–वे पर टोल प्लाजा के पास हुआ। बस दिल्ली से गोंडा जा रही थी। छठ के चलते काफी भीड़ थी। पुलिस आग के कारणों की जांच कर रही है। टायर फटा, फिर अचानक धुआं निकलने लगा यात्रियों ने बताया कि बस एक्सप्रेस–वे पर 80 से 90 की रफ्तार में चल रही थी, तभी पीछे का टायर अचानक फट गया। तेज आवाज आई और बस लहरा गई। ड्राइवर ने तुरंत ब्रेक मारा। वह नीचे उतरकर चेक कर रहा था, तभी पीछे की तरफ से धुआं उठने लगा। धुआं उठते देख ड्राइवर और क्लीनर घबरा गए। उन्होंने यात्रियों को चिल्लाकर बाहर बुलाया।

सुबह का वक्त था, ऐसे में ज्यादातर यात्री सो रहे थे। कई लोग बस में सामान छोड़कर बाहर भागकर आए। तब तक धुआं लपटों में तब्दील हो चुका था। दमकल ने आग बुझाई तो सिर्फ ढांचा बचा यात्रियों ने बताया कि बस में धुआं पीछे की तरफ से उठना शुरू हुआ। गेट आगे था, ऐसे में यात्री तेजी से बाहर आ गए। अगर आग आगे की तरफ लगती तो मुश्किल हो सकती थी। आग कैसे लगी यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, ड्राइवर का कहना है कि टायर फटने के चलते शॉर्ट सर्किट हुआ। प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह तकनीकी खराबी मानी जा रही है। जांच की जा रही है। हादसे के बाद करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल की 3 गाड़ियां पहुंचीं। यात्री बोले– छठी मैया ने बचा लिया बस में ज्यादातर लोग दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से छठ पर्व मनाने के लिए घर जा रहे थे। हादसे में कई यात्रियों का सामान जल गया। घटना के बाद यात्री डर गए। बोले– छठी मैया ने बचा लिया, वरना जितना भयंकर हादसा था, किसी का बच पाना मुश्किल था। पुलिस ने यात्रियों को गोंडा भेजने के लिए दूसरी गाड़ी का इंतजाम किया। टोल प्लाजा के पास रहने वाले प्रत्यक्षदर्शी सतपाल ने कहा... ज्यादातर सवारी समान लेकर बाहर आ गई थी। धुआं उठता देख ड्राइवर ने पहले बस में रखे हुए दो फायर एक्सटिंगुइशर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग नहीं बुझी। इसके बाद ड्राइवर भागकर टोल प्लाजा पहुंचा, वहां पर कोई भी फायर सेफ्टी उपकरण नहीं मिला। 1 घंटे देरी से टोल प्लाजा पर दमकल की गाड़ी पहुंची। लखनऊ में चलती कार में भी लगी आग, ड्राइवर ने कूदकर जान बचाई लखनऊ में रविवार सुबह कार में आग लगने का एक और हादसा हुआ। सरोजनी नगर इलाके में किसान पथ पर चलती एसेंट कार में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में कार आग का गोला बन गई। ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई। कार चला रहे राजू निवासी बाराबंकी ने बताया– वह शनिवार को कानपुर के बिठूर गए थे। रविवार सुबह किसान पथ से होकर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह दरोगा खेड़ा के पास पहुंचे, कार के बोनट से धुआं निकलने लगा। सरोजनीनगर से दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। किसान पथ पर चलती एसेंट कार में अचानक आग लग गई। ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई। जब तक दमकल की गाड़ी पहुंची तब तक आग पूरी तरह जल चुकी थी। लखीमपुर में ß बस में आग लगी, खिड़की से कूदे यात्री लखीमपुर खीरी में डबल डेकर ß बस में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में बस आग का गोला बन गई। यात्रियों ने खिड़कियों से शीशे तोड़े और कूदकर जान बचाई। इसमें 6 लोग घायल हो गए।

69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने बसपा सुप्रीमो से मांगी मदद, कहा,हमारे भरोसे की आखिरी उम्मीद आप

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 69,000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने बसपा सुप्रीमो मायावती के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने अपनी नियुक्तियों की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की और मायावती से प्रदेश सरकार से बात कर समाधान निकालने की अपील की। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि मायावती हमेशा से बहुजन समाज की आवाज रही हैं और उन्होंने दलितों, पिछड़ों और गरीब वर्ग के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि जिस तरह मायावती सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की चर्चा कर रही हैं, वैसे ही वह उनके मुद्दे को भी उठाएंगी। एक अभ्यर्थी ने कहा, "हम मायावती जी के पास इसलिए आए हैं क्योंकि वह हमारी बिरादरी से हैं और हमेशा बहुजन समाज के हित के लिए खड़ी रहती हैं। अगर वह प्रदेश सरकार से बात करेंगी तो कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा। अभ्यर्थियों का कहना है कि 69,000 शिक्षक भर्ती परीक्षा के परिणाम आने के बावजूद अब तक सभी अभ्यर्थियों की नियुक्ति पूरी नहीं हो पाई है, जिससे हजारों युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे हैं कि शेष अभ्यर्थियों को जल्द नियुक्ति पत्र दिए जाएं ताकि वे भी शिक्षण कार्य में योगदान दे सकें। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने कहा कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। हालांकि, अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे राजधानी में बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे।

चलती कार में भी लगी आग, ड्राइवर ने कूदकर जान बचाई

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में रविवार सुबह कार में आग लगने का एक और हादसा हुआ। सरोजनी नगर इलाके में किसान पथ पर चलती एसेंट कार में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में कार आग का गोला बन गई। ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई। कार चला रहे राजू निवासी बाराबंकी ने बताया वह शनिवार को कानपुर के बिठूर गए थे। रविवार सुबह किसान पथ से होकर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह दरोगा खेड़ा के पास पहुंचे, कार के बोनट से धुआं निकलने लगा। सरोजनीनगर से दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

पासी समाज का थाने में प्रदर्शन,बंथरा पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के बंथरा थाने में रविवार को पासी समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। वे दलित युवक से मारपीट के मामले में कार्रवाई नहीं होने से आक्रोशित थे। पूर्व सांसद रीना चौधरी ने कहा– घटना को कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस ने अब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है। सरोजनी नगर प्रधान संघ अध्यक्ष सरवन रावत के भतीजे जतिन रावत से कुछ दिनों पहले मारपीट हुई थी। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के विरोध में प्रदर्शन किया गया। रीना चौधरी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सुबह करीब 11 बजे थाने पहुंचकर नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। मामला 22 अक्टूबर का है, जब सहिजनपुर निवासी जतिन रावत ने नारायणपुर गांव के अक्षत सिंह, मोहित सिंह चौहान, विकास सिंह, प्रियांशु शर्मा, पवन सिंह, कल्लू सिंह और दो अज्ञात व्यक्तियों पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर लात–घूंसों व बेल्ट से पिटाई करने का आरोप लगाया था। जतिन के अनुसार, यह घटना तब हुई जब वह अपने परिजनों के साथ हरौनी मार्केट में चोकर खरीदने गए थे। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आरोपी कल्लू सिंह और प्रियांशु शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। इस धरना प्रदर्शन में पूर्व सांसद रीना चौधरी के अलावा सरोजनी नगर ब्लाक प्रधान संघ अध्यक्ष सरवन रावत, लाखन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी और बहुजन क्रांति दल के अध्यक्ष मोहन पासी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद हैं। धरना प्रदर्शन की सूचना पाकर पहुंचे एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने समझा बुझाकर मामला शान्त कराया।

छठ पर्व पर नगर आयुक्त का निरीक्षण,घाट पर मिला कचरा

लखनऊ,संवाददाता। छठ महापर्व की तैयारियों में नगर निगम जुटा हुआ है। इसी को लेकर नगर आयुक्त गौरव कुमार ने रविवार सुबह शहर के विभिन्न घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जलकुंभी निकालने, सुरक्षा व्यवस्था और उचित साइनेज (मार्ग संकेतक बोर्ड) की व्यवस्था लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत लक्ष्मण मेला घाट से की गई, जहां नगर आयुक्त ने छठ पूजा के लिए बनाए जा रहे मंचों और सुरक्षा बैरिकेडिंग की जानकारी ली। उन्होंने घाट परिसर में सुंदरीकरण से संबंधित कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया और कहा कि सभी कार्य निधारित समय सीमा के भीतर पूरे कराए जाएं।

ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुगम वातावरण मिल सके। नगर आयुक्त कुड़िया घाट भी पहुंचे, जहां गोमती नदी में जलकुंभी की अधिकता देख उन्होंने तत्काल नाव के माध्यम से सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलकुंभी को शीघ्रता से हटाकर नदी के जल को स्वच्छ बनाया जाए। साथ ही घाट क्षेत्र में सौंदर्यकरण के अंतर्गत लगाए जा रहे पौधों और प्रकाश व्यवस्था को भी समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने मेहंदी घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि घाट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में कूड़ा–कचरा जमा था तथा सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। इस पर नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारी एवं सफाई निरीक्षक को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देश दिया कि तत्काल सफाई गैंग लगाकर शाम तक समुचित रूप से सफाई कार्य पूर्ण कराया जाए। शहीद पथ गोमती नगर विस्तार स्थित छठ पूजा घाट पर घाटों की साफ–सफाई और प्रकाश व्यवस्था को प्राथमिकता से सुधारने के निर्देश दिए। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पहुंच मार्गों को समतल एवं स्वच्छ बनाए रखने के भी निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कुकरैल बंधा छठ घाट पर सड़क किनारे जमा कूड़े की सफाई, तथा मार्ग प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि घाटों तक पहुंचने वाले सभी मार्गों की सफाई और मरम्मत तत्काल कराई जाए ताकि श्रद्धालु निर्बाध रूप से घाटों तक पहुंच सकें। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि छठ पर्व के दौरान शहर के सभी घाटों पर साफ–सफाई, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था, अस्थाई शौचालय, पेयजल व्यवस्था, साइनेज और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि "हर घाट पर उचित साइनेज लगाया जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। जोनल अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक घाट की तैयारी की निगरानी लगातार की जाए और शाम तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं।

व्यापारियों के शिष्ट मंडल ने मुख्य कर अधीक्षक पी.के द्विवेदी से की मुलाकात राम जी का चित्र देकर किया स्वागत

श्री पी. के. द्विवेदी मुख्य कर अधीक्षक, व्यापारी की सही टैक्स संबंधित उलझी हुई समस्या को हम सुलझाएंगे

कलियुग में भागवत कथा ही मोक्ष का आधार

लालगंज रायबरेली । खजूर गांव में आयोजित कथा में कथा व्यास ने भागवत कथा की आवश्यकता, उत्पत्ति और महिमा का निरूपण किया ।आत्मानंद के पुत्र न होने का शोक ,गोकर्ण जन्म और धुंध कारी मोछ आदि का वर्णन किया। मुख्य यजमान राम सेवक सविता ने भागवत कथा पीठ की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। व्यास गद्दी पर विराजमान पंडित रविकांत मिश्रा ने प्रवचन करते हुए कहा कि कलियुग में भागवत कथा और राम कथा से ही मानव का उद्धार हो सकता है। शास्त्रों में उल्लेख है कि जहां भी भागवत कथा या राम कथा होती है, वहां पर भगवान बजरंगबली स्वयं विराजमानरहते हैं। द्वापर युग में राजा परीक्षित को भी भागवत कथा सुनने से ही मोक्ष की प्राप्ति हुई थी और उन्हें सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिली थी। भागवत कथा के संयोजक दीपक कुमार फौजी, सहसंयोजक अनूप शुक्ला,पवन सिंह, सुरेंद्रनाथ मिश्रा, रविंद्र मिश्रा,बचोली सिंह, प्रियम सिंह ,गुड्डू सिंह, संजय सविता, राज बहादुर यादव ,अनूप शुक्ला बबलू सोनी , आनन्द तिवारी कटरा, रिंकू हलवाई सहित भागवत कथा प्रेमी मौजूद रहे।

मुरवल गांव में सड़क टूटी,पाइपलाइन के बाद मरम्मत न होने से ग्रामीणों को परेशानी

बांदा,संवाददाता। जनपद की बबेरू तहसील के मुरवल गाँव में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत न होने से ग्रामीण परेशान हैं। गाँव की कई गलियों को पाइपलाइन डालने के लिए खोदा गया था, लेकिन काम पूरा होने के बाद उन्हें ठीक से दुरुस्त नहीं किया गया। विशेष रूप से, कारू बाबा स्थान से रामलीला मैदान तक की आरसीसी सड़क की मरम्मत भी अधूरी छोड़ दी गई है। इन टूटी हुई सड़कों के कारण ग्रामीणों, बच्चों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार बच्चे और अन्य ग्रामीण इन गड्ढों में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों, जिनमें विज्ञान सिंह, गुलाब पाल, चुनुबाद और रेवा राम पाल शामिल हैं, ने बताया कि उन्होंने इस समस्या के बारे में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया है। हालांकि, उनकी शिकायतों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

दिवाली पर घर आए युवक ने सल्फाश खाया, इलाज के दौरान हुई मौत

उरई/जालौन,संवाददाता। दीपावली पर्व पर अपने बीबी बच्चों के साथ घर पहुंचे हमीरपुर के जरिया थाना क्षेत्र के ग्राम चंडौत निवासी 50 वर्षीय रामजीवन ने शनिवार शाम सल्फाश खा लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई, उसे इलाज के लिए जालौन जिले के उरई स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार रामजीवन नोएडा की एक कंपनी में प्राइवेट नौकरी करता था। त्योहार मनाने के लिए घर आया था। शनिवार की शाम किसी कारणवश उसने सल्फाश का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर उसने अपने पुत्र विक्की को बताया कि उसने जहर खा लिया है। यह सुनते ही पुत्र ने बिना देर किए निजी वाहन से पिता को जालौन जिले के उरई स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, इलाज के दौरान देर रात रामजीवन की मौत हो गई। अचानक हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुत्र विक्की का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही उरई कोतवाली प्रभारी हरिशंकर चंद पुलिस टीम के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि रामजीवन ने यह कदम क्यों उठाया।

घर में घुसकर परिवार पर हमला, दो घायल, पुलिस जांच में जुटी

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के कोंच कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गांधी नगर में एक परिवार पर जानलेवा हमला किया गया, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित परिवार ने रविवार को कोंच कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। गांधी नगर निवासी सलीम खां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता है।

बरेली। आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश अध्यक्ष युवा श्री सुनील खत्री के नेतृत्व में व्यापारी का शिष्ट मंडल मुख्य कर अधिकारी श्री पी.के. द्विवेदी जी से मिलकर राम जी का चित्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया श्री खत्री ने बताया की कर मुख्य अधिकारी श्री पी. के.द्विवेदी जी कुछ व्यापारियों की टैक्स संबंधित समस्याओं को लेकर भी मुलाकात हुई है उन्होंने तुरंत ही संबंधित अधिकारी को फोन कर उसका निस्तारण करने को कहा श्री खत्री ने बताया कि पहले भी कोई भी सही समस्या व्यापारियों की कर मुख्य अधीक्षक श्री पी.के. द्विवेदी जी को किसी भी व्यापारी की समस्या को कहा गया है तो व्यापारियों समस्या का तुरंत समाधान कराया है ऐसे अधिकारी बरेली में आना हम लोगों के सौभाग्य की बात है कुछ व्यापारियों ने होम टैक्स के मैटर बताएं उन्होंने तत्कालीन उसे पर भी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए मुख्य कर अधिकारी श्री पी.के.द्विवेदी जी ने कहा की कितने भी उलझे हुए टैक्स संबंधित सही समस्याएं हैं हमसे सीधे संपर्क करें हम उन्हें सुलझवाएंगे, मैं बरेली में देख रहा हूं कि लंबे समय से कई सही पीड़ित व्यापारी आदि चक्कर लगा रहे हैं।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, 9 गंभीर घायल, गाली-गलौज के बाद मारपीट, पत्थर भी चले

बांदा,संवाददाता। देहात कोतवाली क्षेत्र के पचनेही गांव में देर शाम दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। चबूतरा टूटने को लेकर हुए इस विवाद में ईंट–पत्थर और लाठियां चलीं, जिसमें दोनों पक्षों के कुल नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब पचनेही गांव निवासी चुन्नू सिंह के लिए सोनू सिंह और दीनू सिंह ट्रैक्टर से ईंटें ले जा रहे थे। रास्ते में ट्रैक्टर पिंटू सिंह के चबूतरे से टकरा गया, जिससे चबूतरा टूट गया। इस पर पिंटू सिंह ने ट्रैक्टर चालक को देखकर चलाने को कहा, जिसके बाद गाली–गलौज शुरू हो गई। चुन्नू सिंह के अनुसार, उन्होंने इस मामले की शिकायत थाने में भी की थी। देर शाम चुन्नू, धीरेंद्र, रज्जन, बिट्टू, पिंटू, बबलू, राममिलन और बिंदादीन सहित अन्य लोगों ने महेश (49), बच्चू (40), राहुल (20), भीम (60) और सियादुलारी (68) पर ईंट–पत्थर व लाठियों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। बंशी यादव ने हमलावरों पर तमंचे से फायरिंग करने का भी आरोप लगाया है। वहीं, दूसरे पक्ष से बिंदादीन ने आरोप लगाया है कि बंशी यादव और उनके साथियों ने उन पर हमला कर मारपीट की। इस मारपीट में उनके पक्ष से कुशल बाबू (45), बिंदादीन और चुन्नू सहित अन्य लोग घायल हुए हैं। सहायक पुलिस अधीक्षक बांदाक्षेत्राधिकारी नगर सुश्री मेविस टॉक ने बताया कि जनपद बांदा के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम पचनेही में रास्ते के विवाद को लेकर शराब के नशे में मारपीट होने की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना पुलिस एवं अधिकारीगण तत्काल मौके पर पहुंचे और घायलों को चिकित्सीय उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के कुछ व्यक्तियों को चोटें आई हैं, सभी की हालत स्थिर है। तहरीर प्राप्त कर अभियोग पंजीकृत कराया जा रहा है तथा आक्रामक व्यक्तियों को हिरासत में लेने हेतु पुलिस टीमों को लगाया गया है। मौके पर पूर्णतः शांति व्यवस्था कायम है।

उरई पहुंचे उप परिवहन आयुक्त,सड़क सुरक्षा, डग्गामार वाहनों पर सख्ती के निर्देश

उरई/जालौन,संवाददाता। झांसी परिक्षेत्र के उप परिवहन आयुक्त के.डी. गौर ने जालौन मुख्यालय उरई स्थित उप संभागीय परिवहन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और रजिस्टर, लाइसेंस संबंधित अभिलेखों तथा फिटनेस जांच प्रक्रिया की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मिली कई अनियमितताओं पर उन्होंने तत्काल सुधार के निर्देश दिए। के.डी. गौर ने सड़क सुरक्षा और स्कूली बच्चों को डग्गामार वाहनों से ले जाने के मामलों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने घोषणा की कि ऐसे वाहनों के खिलाफ अब संयुक्त कार्रवाई अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पड़ोसी जिलों की परिवहन टीमें भी शामिल होंगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि स्कूलों के आसपास नियमित चेकिंग की जाए और बिना अनुमति या फिटनेस वाले वाहनों पर तत्काल चालान या जब्ती की कार्रवाई हो। उप परिवहन आयुक्त

ने बुंदेलखंड क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए केवल अभियान चलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर सुधारात्मक कार्यवाही आवश्यक है। उन्होंने सड़क किनारे चेतावनी संकेत, स्पीड लिमिट बोर्ड लगाने और ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर सुधार कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप परिवहन आयुक्त के.डी. गौर ने स्पष्ट किया कि परिवहन कार्यालयों में आम नागरिकों से मनमानी वसूली या दलालों की गतिविधियाँ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी भी स्तर पर दलाली या भ्रष्टाचार पाया गया तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। अंत में, उप परिवहन आयुक्त ने अधिकारियों के साथ बैठक कर सड़क सुरक्षा को लेकर एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में विभाग सड़क सुरक्षा के प्रति शून्य सहनशीलता नीति पर काम करेगा।

शहर में 400 से अधिक स्थानों पर मनाया जाएगा छठ महापर्व, तैयारियां पूरी

गोरखपुर। प्राचीन हनुमानगढ़ी मंदिर और तकिया घाट पर नदी किनारे क्षतिग्रस्त घाटों की जगह कृत्रिम पोखरे बनाए गए हैं, जिनमें पानी भरने का कार्य अधिशासी अभियंता अशोक कुमार भाटी और पार्षद बिजेंद्र अग्रहरि की निगरानी में शुरू हुआ। इसी तरह डोमिनगढ़, एकला बांध, श्रीराम घाट, राजघाट, बैकुंठ धाम सहित कई घाटों पर सफाई, धुलाई और सजावट अंतिम चरण में है। छठ महापर्व को लेकर हर तरफ तैयारियां जोरों पर हैं। शहर में करीब 400 से अधिक स्थानों पर छठ मनाया जाएगा। शनिवार को राप्ती नदी किनारे गुरु गोरक्षघाट और रामघाट पर नगर निगम की टीम सफाई में लगी रही। पानी के अंदर बेरिकेडिंग कर दी गई है। वहीं, दूसरी तरफ वेदी बनाने के लिए लोगों में होड़ मची रही। आगामी छठ महापर्व को लेकर शहर में उत्साह और तैयारियों का माहौल है। राप्ती नदी तट पर लाखों श्रद्धालु जुटने की संभावना के बीच नगर निगम ने सभी 80 वार्डों में तैयारी शुरू कर दी है। निगम करीब 60 से अधिक स्थानों पर तैयारी कर रहा है। इसके अलावा मोहल्लों में भी लोग तैयारी कर रहे हैं। घाटों पर वेदी सुरक्षित करने की होड़ मची है, कोई झंडियां लगा रहा है, तो कोई अपना नाम और मोबाइल नंबर लिखकर जगह चिह्नित कर रहा है। प्राचीन हनुमानगढ़ी मंदिर और तकिया घाट पर नदी किनारे क्षतिग्रस्त घाटों की जगह कृत्रिम पोखरे बनाए गए हैं, जिनमें पानी भरने का कार्य अधिशासी अभियंता अशोक कुमार भाटी और पार्षद बिजेंद्र अग्रहरि की निगरानी में शुरू हुआ। इसी तरह डोमिनगढ़, एकला बांध, श्रीराम घाट, राजघाट, बैकुंठ धाम सहित कई घाटों पर सफाई, धुलाई और सजावट अंतिम चरण में है। श्रीराम घाट पर पार्षद प्रतिनिधि दिनेश गुप्ता लगातार व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे हैं। शहर के मंदिरों में भी सजावट और लाइटिंग जोरों पर है। गोरखनाथ मंदिर, मानसरोवर मंदिर, बसियाडीह, चौन सिंह मंदिर, सूर्यकुंड धाम आदि स्थलों पर नगर निगम की टीम सफाई, बैरिकेडिंग और लाइटिंग में जुटी है। नगर निगम ने महेसरा पुल से नौसढ़ तक राप्ती तट पर 500 वाट के हैलोजन लाइट लगाए हैं ताकि सुरक्षा और सुंदरता दोनों सुनिश्चित रहें। महादेव झारखंडी मंदिर के पास कृत्रिम पोखरे में पार्षद रणंजय सिंह जुगनू ने बताया कि उनके वार्ड में 42 स्थानों पर छठ आयोजन हो रहा है। जलकल विभाग के अवर अभियंता धीरज वर्मा के अनुसार, 138 स्थानों पर पानी भरने के लिए 21 टैंकर और वॉटर स्प्रिंकलर मशीनें 24 घंटे रोस्टर के अनुसार काम कर रही हैं। स्वच्छ भारत मिशन इस बार छठ पर्व को 'जीरो वेस्ट इवेंट' के रूप में मना रहा है। घाटों पर स्वागत गेट, बैनर, पोस्टर और सेल्फी पॉइंट लगाए जाएंगे। अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र ने बताया कि श्रद्धालुओं को कचरा जहां उत्पन्न हो, वहीं निपटाने का संदेश दिया जाएगा। सभी घाटों पर स्वच्छता दल चौबीसों घंटे तैनात रहेंगे। जीडीए भी बनवा रहा तीन कृत्रिम पोखरे गोरखपुर विकास प्राधिकरण की ओर से चंपा देवी पार्क (वाटर बाडी वाले हिस्से में) में तीन कृत्रिम पोखरे बनवाए जा रहे हैं। इसके साथ ही तारामंडल क्षेत्र के मोहल्लों गौतम विहार, गौतम विहार विस्तार, सिद्धार्थ एन्क्लेव, सिद्धार्थ एन्क्लेव विस्तार के पास वाटर बाडी में भी सफाई कर घाट बनाए जा रहे हैं। जीडीए के उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने बताया कि चंपा देवी पार्क में छठ घाट तैयार किया जा रहा है। कई जगह वाटर बाडी में भी सफाई कराई गई है।

दीपावली पर कार्बाइड बम से झुलसी आंख, चली गई रोशनी- एम्स में उपचार कराने पहुंचे

गोरखपुर। दीपावली की खुशी में सस्ते के चक्कर में कार्बाइड से बने बम ने आंखों के लिए खतरनाक साबित हुए। एम्स गोरखपुर के नेत्र रोग विभाग में 25 से ज्यादा कार्बाइड बम से प्रभावित रोगी पहुंचे हैं। इनमें पांच की हालत ज्यादा गंभीर है। उनकी आंखों की रोशनी चली गई है। पटाखे और कार्बाइड बम के कारण इनकी आंखों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। पांच गंभीर मरीजों को कार्निया प्रत्यारोपण की भी नौबत आ सकती है। डॉक्टरों का मानना है कि कार्बाइड बम से आंखों को नुकसान पहुंचाने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है। कई लोग निजी अस्पतालों में चले गए हैं तो कई नेपाल के भैरहवां में जाकर उपचार करा रहे हैं। एम्स के नेत्र रोग विभाग में कुशीनगर के निवासी 17 वर्षीय सिराज अंसारी को लेकर परिजन पहुंचे। जांच में दाईं आंख की रोशनी जाने की आशंका है। ऐसा इसलिए पुतली सफेद हो चुकी है। परिजनों ने बताया कि शिराज कार्बाइड से बना बम जला रहा था। कार्बाइड से बने बम और पटाखों के कारण कई लोगों की आंखों में गंभीर क्षति पहुंची है। कुछ की क्षति इतनी ज्यादा है कि कार्निया प्रत्यारोपण की नौबत आ सकती है। तत्काल अस्पताल न पहुंचकर कई लोगों ने इधर–उधर उपचार कराया, इस कारण नुकसान बढ़ता गया हैरु डॉ. नेहा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, नेत्र रोग विभाग, एम्स गोरखपुर

कुआनो की आरती में उमड़ी आस्था

बस्ती। चित्रांश क्लब की ओर से शनिवार देर शाम अमहट घाट पर कुआनो नदी की आरती हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सभी ने दीप जलाया और नदी को प्रदूषण मुक्त करने का संकल्प लिया। आयोजक संस्थापक राजेश चित्रगुप्त ने कहा कि यह नदी बस्ती की पौराणिक धरोहर है। इसका क्षरण नहीं होने दिया जाएगा। नदी को प्रदूषणमुक्त रखना होगा। कुआनो नदी को प्रदूषण से मुक्त कराने और जनजागरण के उद्देश्य से यह कार्यक्रम हर साल आयोजित किया जा रहा है। चित्रांश क्लब अध्यक्ष प्रकाश मोहन श्रीवास्तव और महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी अरोरा ने बताया कि कुआनो आरती के जरिये नदियों की स्वच्छता और निर्मलता को आगे बढ़ाना मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में आकर्षक धार्मिक झांकियां, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भजन संध्या में श्रद्धालु उत्साहित दिखे। भंडारे का आयोजन किया गया। किन्नर एसोसिएशन की ओर से कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। पूर्व रेल अधिकारी आशिमा सिंह, नपाध्यक्ष नेहा वर्मा, महिला थानाध्यक्ष शालिनी सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, अजय कुमार श्रीवास्तव, रत्नाकर श्रीवास्तव आदर्श, रेखा चित्रगुप्त, सर्वेश श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ल, शीला पाठक, संध्या दीक्षित, अर्चना श्रीवास्तव, शैल पांडेय, संज्ञा श्रीवास्तव, राना दिनेश प्रताप सिंह, पं. सरोज मिश्र, अंकुर वर्मा, सर्वेश श्रीवास्तव, डॉ. वीके श्रीवास्तव, घनश्याम चित्रगुप्त, नवीन श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, जगदीश शुक्ल, मनमोहन श्रीवास्तव काजू, रि. कर्नल केसी मिश्र, आशीष श्रीवास्तव, सतीश सोनकर, कुंदन वर्मा, रमेश गुप्ता, सुनील गुप्ता आदि मौजूद रहे।

गोरखपुर–नई दिल्ली व मऊ–सूरत पूजा स्पेशल ट्रेनों में जबरदस्त भीड़

बस्ती। छठ महापर्व के चलते एक्सप्रेस ट्रेनों में इस कदर भीड़ बढ़ गई है कि लोग अपने घर पहुंचने को लेकर मुश्किलों का सामना करते हुए ट्रेनों में सफर करते देखे जा रहे हैं। पूजा में शामिल होने के लिए यात्री कोच में खड़े होकर या नीचे बैठकर यात्रा करने को विवश हैं। शनिवार को पूर्वांचल के गोरखपुर–नई दिल्ली पूजा स्पेशल एवं मऊ–सूरत सहित कई अन्य पूजा स्पेशल ट्रेनों में यात्रियों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। छठ त्योहार को लेकर रेलवे प्रशासन की ओर से प्रतिदिन पूजा स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन कराया जा रहा है बावजूद उसके रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

पुलिस पर लगा था युवक की पिटाई का आरोप

गोरखपुर। जानकारी के अनुसार लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन के दौरान लापता हुआ नगर पंचायत कपिलवस्तु का युवक अवनीश पटेल गंभीर हालत में सड़क किनारे मिला तीन दिन पहले मिला था। उसके शरीर पर धारदार हथियार के निशान पाए गए। पिता अशोक पटेल ने आरोप लगाया कि घटना से पहले मोहाना थाना के सिपाही उसे बाइक से कहीं ले गए थे। मोहाना थाना क्षेत्र के नगर पंचायत कपिलवस्तु में तीन दिन पहले विसर्जन के दौरान एक युवक सड़क किनारे घायल अवस्था में मिला था। उसे बीआरडी से लखनऊ रेफर कर दिया गया था, जहां उसका इलाज चल रहा है। इसमें परिवार का आरोप था कि कुछ पुलिस वाले लेकर गए, उन्हें की ओर से उसकी पिटाई की गई थी। इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में थानाध्यक्ष मोहाना रोहित कुमार उपाध्याय और आरोपी चार अन्य पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। परिवार की ओर से तहरीर मिलने के आधार पर जांच करके उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। डीआईजी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन के दौरान लापता हुआ नगर पंचायत कपिलवस्तु का युवक अवनीश पटेल गंभीर हालत में सड़क किनारे मिला तीन दिन पहले मिला था। उसके शरीर पर धारदार हथियार के निशान पाए गए। पिता अशोक पटेल ने आरोप लगाया कि घटना से पहले मोहाना थाना के सिपाही उसे बाइक से कहीं ले गए थे। बाद में वह घायल अवस्था में मिला। उसे जिला मुख्यालय फिर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले गए वहां से लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया जहां पर उसका इलाज चल रहा है। वहीं, परिजनों की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन ने जांच सीओ सदर विश्वजीत शौर्य को सौंपी है। रिपोर्ट तीन दिन में मांगी गई है। अवनीश की हालत नाजुक बनी हुई है। देर शाम दिग बस्ती संजीव त्यागी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लापरवाही बरतने में थानाध्यक्ष मोहाना रोहित कुमार उपाध्याय और आप में चार पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। इनमें राजन सिंह, मनोज यादव, अभिषेक गुप्त और मनजीत सिंह सिपाही शामिल हैं। तहरीर के आधार पर संबंधित चार पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने के भी कार्रवाई की जाएगी।इस संबंध में डीआईजी बस्ती संजीव त्यागी ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद जांच कराया गया है लापरवाही बरतने के आरोप में थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा जिन चार पुलिस कर्मियों पर आरोप है उनको भी निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जेल भेजने की भी कार्रवाई की जाएगी।

गोर्रा नदी में नाव पलटी...आठ लोग थे सवार- एक की मौत, जानिए कैसे बची सात लोगों की जान

गोरखपुर। स्थानीय गोताखोरों की मदद से कुछ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि 15 वर्षीय किशोर कृष्ण कुमार चौबे, निवासी राजधानी गांव, की मौत हो गई। शव को ग्रामीणों ने नदी किनारे लाया, जहां पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। झंगहा थाना क्षेत्र के गोर्रा नदी स्थित करही घाट पर शनिवार सुबह करीब 11 बजे यात्रियों से भरी नाव अचानक नदी में डूब गई। हादसे में झंगहा क्षेत्र के जोगिया गांव निवासी मदनेश चतुर्वेदी का 17 वर्षीय इकलौता पुत्र कृष कुमार चतुर्वेदी गहरे पानी में डूब गया। देर रात तक उसका शव बरामद नहीं हो सका था। जानकारी के अनुसार, नाव पर झंगहा क्षेत्र के जोगिया, बसुही और राजधानी गांव के करीब आठ लोग सवार थे, जो करही, बरही और डीहघाट की ओर जा रहे थे। नदी पार पहुंचने के दौरान सवारियां नीचे उतर ही रही थीं कि नाव चालक ने अचानक नाव में लगे दमकल इंजन को स्टार्ट कर दिया। इससे नाव चलने लगी और कुछ दूरी पर बने ठोकर से टकरा गई। टक्कर से नाव का हिस्सा टूट गया और उसमें पानी भरने लगा। हादसा होते ही नाव पर सवार लोगों में अफरा–तफरी मच गई। कई लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि कुछ को बसुही गांव निवासी विशाल ने डूबने से बचा लिया। हालांकि, कृष कुमार चतुर्वेदी तेज धार में बह गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाव पर करीब पांच मोटरसाइकिलें भी थीं, जो नदी में डूब गईं और उनका अब तक पता नहीं चल सका है। कृष्ण कुमार बड़ोदरा में रहकर हायर सेकेंडरी की पढ़ाई कर रहा था और क्रिकेट की तैयारी भी करता था। पांच वर्ष पूर्व उसकी बड़ी बहन सोनी की बीमारी से मौत हो चुकी थी। परिवार में वही एकमात्र संतान बचा था। हादसे की खबर सुनकर गांव में कोहराम मच गया। प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें देर रात तक तलाश में जुटी थीं।

नहाय खाय के साथ छठ महापर्व शुरू...घरों में गूंज रहे गीत

बस्ती। सूर्योपासना का महापर्व छठ शनिवार से नहाय खाय के साथ प्रारंभ हो गया। घरों की सफाई के बाद व्रती महिलाएं नहाय खाय का रस्म पूरा कर नए परिधान में छठ मइया के पूजन–अर्चन में जुट गई हैं। परिवार भी पूरी तरह भक्ति भाव में रंगा हुआ है। घरों में छठ मइया के भजन गूंज रहे हैं। पूजा में प्रयुक्त होने वाले तरह– तरह के पकवान पवित्रता के साथ तैयार होने लगे हैं। पूरा का पूरा परिवार व्रती महिलाओं के सहयोग में जुटा हुआ है। घर से घाट तक आना जाना शुरू हो गया है। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के आगाज से घर–घर छठ मइया के गीत गुनगुनाए जाने लगे हैं। पहले दिन शनिवार को नहाय खाय की परंपरा पूरी हुई। घरों में पूजा में प्रयुक्त होने वाले पकवान बनने शुरू हो गए हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास पर 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

आत्मदाह की दी चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की। मौके पर मौजूद पुलिस ने सभी को फिर से ईको गार्डन भेज दिया। 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण में भेदभाव को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी कई महीनों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले भी वह मंत्री संदीप सिंह और डिप्टी सीएम केशव मौर्य के आवास का घेराव कर चुके हैं। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों का कहना है कि हाईकोर्ट से हमारे पक्ष में फैसला आया है। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में हैं। लेकिन, सरकार सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से हमारा पक्ष नहीं रख रही है।

सामूहिक रूप से आत्मदाह की चेतावनी

इसी को लेकर धनंजय गुप्ता के नेतृत्व में अभ्यर्थी एक बार फिर मंत्री संदीप सिंह के आवास पहुंचे। वहां नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार सेकंड पार्टी है। वह हम लोगों का पक्ष मजबूती से रखे। अन्यथा हम सब लोग सामूहिक रूप से आत्मदाह करने के लिए मजबूर होंगे।

हाईकोर्ट ने अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया

प्रदर्शन कर रहे धनंजय गुप्ता, रवि पटेल, अमित मौर्य ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2018 में शुरू हुई थी। इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया। लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद 13 अगस्त 2024 को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ की डबल बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया। अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का आदेश दिया। लेकिन, सरकार हीला हवाली करती रही। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बताया कि 28 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। हम लोग सरकार से निवेदन करते हैं कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता भेजे। हमारे पक्ष में सुनवाई करा कर हमें न्याय दिलाए। अब तक लगभग 22 से अधिक तारीखें मिलीं, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। इससे सभी अभ्यर्थी परेशान हैं।

पुलिस ने अभ्यर्थियों को लखनऊ पहुंचने से रोका

शिक्षक भर्ती में शामिल अभ्यर्थी उमाकांत मौर्य ने बताया कि अम्बेडकर नगर से आ रहे अभ्यर्थियों को रात में पुलिस ने घर व रास्तों में ही रोक लिया। इससे लखनऊ में अभ्यर्थियों की संख्या कम रही। पुलिस कई अभ्यर्थियों को फोन करके उनकी जानकारी जुटाती रही। डर और भय के कारण भी कुछ अभ्यर्थी लखनऊ नहीं पहुंच पाए। अभ्यर्थियों का आरोप है कि पुलिस के माध्यम से उनके आंदोलन को सरकार कुचलने का प्रयास कर रही है।

एसडीएम के घर लाखों की चोरी, दीवार फांदकर घुसा चोर

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में बीती रात चोरों ने एसडीएम के घर लाखों की चोरी कर ली। चोरों ने नकदी और गहने चोरी किए। इस मामले में एसडीएम ने मड़ियांव थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। फतेहपुर एसडीएम सदर अनामिका श्रीवास्तव का घर लखनऊ के मड़ियांव स्थित साई सिटी कॉलोनी में है। एफआईआर के मुताबिक घटना बीती रात 23 व 24 अक्टूबर की रात करीब 2.40 से 5 बजे के बीच की है। चोरों ने मकान का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी में घर के अंदर दो चोर जाते हुए कैद हुए है। दोनों चोर अलग अलग रास्ते से अंदर घुसे थे। और अपनी पहचान छुपाने के लिए दोनों चोर ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। चोरी की सूचना के बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची। टीम ने डॉग स्क्वॉड के साथ जांच शुरू की। इस दौरान डॉग घर के बगल वाली गली तक गया। फिर दूर जा कर रुक गया। जांच में सामने आया कि जिस घर में चोरी हुई है, वहां पर 24 घंटे राम भजन चलता है। इसके बारे में अंजान लोगों को जानकारी नहीं थी। पुलिस को आशंका है कि कोई करीबी इस चोरी की घटना में शामिल है।

चुनावी मोड में मायावती एक नवम्बर को बुलाई बैठक, बामसेफ को दे सकती हैं बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने आगामी मिशन 2027 को लेकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। पार्टी सुप्रीमो ने एक नवम्बर को बामसेफ की विशेष बैठक बुलाई है, जिसमें संगठन की रणनीति और पिछड़े वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर मंथन किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में बामसेफ कैडर को दोबारा सक्रिय करने और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर चर्चा होगी। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी बसपा ने बामसेफ को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया था, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी थी। अब मायावती की नजर आगामी विधानसभा चुनाव पर है, जिसमें वह बामसेफ को बसपा के जनाधार विस्तार का प्रमुख माध्यम बनाना चाहती हैं। बताया जा रहा है कि मायावती स्वयं इस बैठक में मौजूद रहेंगी और पिछड़े वर्ग को जोड़ने की रणनीति पर अंतिम निर्णय लेंगी। बैठक में यह तय किया जाएगा कि कैसे बामसेफ से जुड़े सरकारी कर्मचारी और शिक्षित वर्ग समाज में बसपा की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाएं। इस बीच, संगठनात्मक फेरबदल भी जारी है। बसपा ने सरवर मलिक को लखनऊ मंडल का मुख्य प्रभारी नियुक्त किया है, जबकि मुनकाद अली को कानपुर व लखनऊ मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि यह बदलाव पार्टी को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने के उद्देश्य से किए गए हैं। बसपा नेतृत्व का मानना है कि बामसेफ हमेशा से पार्टी की वैचारिक रीढ़ रहा है।

नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व शुरू,राजधानी में सज गए घाट

27 अक्टूबर को सीएम योगी लक्ष्मण मेला घाट पर देंगे अर्घ्

लखनऊ, (संवाददाता)। 4 दिवसीय छठ महापर्व आज यानी 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। 26 अक्टूबर को खरना और 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य होगा। 28 अक्टूबर को उगते भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया जाएगा। लखनऊ छठ की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। गोमती स्थित लक्ष्मण मेला मैदान पूरी तरह व्यवस्थित हो चुका है। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने सभी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर को सीएम योगी आदित्यनाथ संध्या अर्घ्य देंगे। प्रभुनाथ राय ने कहा कि हमारा सौभाग्य है की छठी मैया की सेवा में लगे हुए हैं। यह 41 वां साल है जब हम निरंतर छठ का आयोजन कर रहे है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और भोजपुरी समाज के पदाधिकारी मिलकर व्यवस्था करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए अपना विशेष आशीर्वाद दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ 27 अक्टूबर को शाम 4 बजे सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित कर के शुभारंभ करेंगे। प्रभुनाथ राय ने बताया कि 27 और 28 अक्टूबर को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जिसमें बड़ी संख्या में कलाकार हिस्सा लेंगे। सुप्रसिद्ध लोक गायिका कल्पना पटवारी (असम), गोपाल राय (बलिया), सुरेश शुक्ला (मुंबई) सहित 200 लोक कलाकार 18 घंटे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। छठ की तैयारियों का मनोज सिंह, वेद प्रकाश राय, मनोज राय, सुनील सिंह ने जायजा लिया।

डालीगंज जैन मन्दिर में चातुर्मास समापन एवं पिच्छी परिवर्तन सम्पन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। श्री जैन धर्म प्रवर्धनी सभा की ओर से आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी मुनिराज के परम शिष्य अध्यात्म योगी उपाध्याय श्री 108 आदीश सागर जी मुनिराज का चातुर्मास निष्ठापन एवं पिच्छी परिवर्तन का कार्यक्रम, सभा अध्यक्ष विनय कुमार जैन की अध्यक्षता मे शनिवार को डालीगंज जैन मन्दिर मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम। प्रातः 7 बजे से अभिषेक 7:15 दूध से शांतिधारा (बोली द्वारा) तत्पश्चात 8 बजे से उपाध्याय श्री 108 आदीश सागर जी मुनिराज के सानिध्य मे दीप प्रज्जुलन, चित्र अनावरण, शास्त्र भेट, पाद प्रक्षालन, गुरु पूजा, गुरु का मंगल आशीर्वाद, चातुर्मास निष्ठापन समारोह एवं पिच्छी परिवर्तन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष विनय जैन ने बताया कि चातुर्मास का कलश जिन लोगों ने प्राप्त किए थे उन्हें गुरुवर के द्वारा कलश प्राप्त किया। सर्वप्रथम मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान की दूध से शांतिधारा करने का सौभाग्य अनिल जैन ने प्राप्त किया। तत्पश्चात देव शास्त्र गुरु को श्री फल चढ़ा कर कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। दीप प्रज्जुलन, चित्र अनावरण के बाद मीनू जैन ने मंगलाचरण किया। सभापति विनय जैन ने सभा का संचालन करते हुए कहा की उपाध्याय आदीश सागर जी मुनिराज जैसे सरल साधु उन्होंने अपने जीवन मे नहीं देखे। उन्होंने चातुर्मास के दौरान जाने अनजाने हुई गलतियों के लिए गुरुदेव से क्षमा मांगी। उप प्रबंधक पार्श्व जैन ने बताया की पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य सुशील जैन, मनीष, मुकेश अपूर्व जैन परिवार ने प्राप्त किया, वही गुरुदेव को शास्त्र भेट करने का सौभाग्य अशोक जैन, अंकित जैन जरवल वालो को मिला।

स्टेटमेन्ट टुडे

(राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक) लखनऊ
27 अक्टूबर 2025 सोमवार

किसानों की आय बढ़ाने को बनी रणनीति,ड्रैगन फ्रूट, खजूर और स्ट्राबेरी की खेती को बढ़ावा मिलेगा

उरई / जालौन, (संवाददाता)। किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला औद्यानिक मिशन समिति, जनपद स्तरीय क्रियान्वयन समिति एवं प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना समिति की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न औद्यानिक विकास योजनाओं की प्रगति और वित्तीय लक्ष्यों की समीक्षा कर आगामी कार्ययोजना को अनुमोदित किया गया। बैठक में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि जनपद में किसानों को पारंपरिक फसलों से आगे बढ़ाकर स्ट्राबेरी, ड्रैगन फ्रूट, खजूर, करौंदा, बेर, प्याज, लहसुन, हल्दी और अदरख जैसी फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन फसलों के साथ जैविक खेती, शाकभाजी उत्पादन, मचान व्यवस्था, तारबंदी, लाइट ट्रैप और पावर नेप स्प्रेयर जैसी आधुनिक तकनीकें भी किसानों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिलाधिकारी पांडेय ने कहा कि खजूर, ड्रैगन फ्रूट और स्ट्राबेरी जैसी अपरंपरागत बागवानी फसलें बुंदेलखंड में आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन सकती हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को औद्यानिक योजनाओं से जोड़ा जाए और प्रधानमंत्री धन्यधान योजना के तहत पोस्ट हार्वेस्ट प्रोसेसिंग व वैल्यू एडिशन को भी बढ़ावा दिया जाए। उद्यान अधिकारी ने बताया कि बुंदेलखंड एवं विंध्य क्षेत्रीय औद्यानिक विकास योजना के तहत 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल में कार्यलक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसमें किसानों को तीन वर्ष तक 3000 रुपए प्रतिमाह अनुदान दिया जाएगा। वहीं, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के तहत 3970 हेक्टेयर क्षेत्रफल के सापेक्ष 13.86 करोड़ रुपये की कार्ययोजना स्वीकृत की गई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना में 861 यूनिट स्थापना का लक्ष्य हासिल हुआ है, जिसमें 35 प्रतिशत या अधिकतम ध10 लाख की राज्य सहायता दी जा रही है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग समयबद्ध तरीके से लक्ष्यों को पूरा करें और अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के कृषकों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के व्यापक प्रचार–प्रसार से ही किसान नए अवसरों से जुड़ सकेंगे। बैठक में जिला विकास अधिकारी निशांत पांडेय, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद सिंह, कृषि अधिकारी गौरव यादव, पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद, तथा कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वयक राकेश त्रिवेदी और मोहम्मद मुस्तफा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शांति भंग में पांच अभियुक्त गिरफ्तार, थाना प्रभारी ने भेजा पैलानी न्यायालय

बांदा, (संवाददाता)। जसपुरा पुलिस ने शांति भंग के आरोप में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अनिल कुमार ने अपने स्टाफ के साथ सभी अभियुक्तों को माननीय न्यायालय पैलानी भेजा। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में वंश गोपाल, सुरेश और राम प्रकाश शामिल हैं, जो स्वर्गीय रामपाल के पुत्र और महिला डेरा मजरा जसपुरा के निवासी हैं। इनके साथ अनूप और अमरीश (पुत्रगण बलबीर प्रजापति, निवासी नरजीता, थाना जसपुरा, जनपद बांदा) को भी पकड़ा गया है। इन सभी अभियुक्तों को भारतीय न्याय संहिता सुरक्षा (बीएनएस) की धारा 170 / 126 / 135 के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। थाना प्रभारी अनिल कुमार अपने पूरे स्टाफ के साथ क्षेत्र में लगातार गश्त कर रहे हैं। वे कस्बा जसपुरा में दुकानदारों और अन्य संभ्रांत व्यक्तियों से संवाद स्थापित कर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सहयोग की अपील करते हैं।

थाना दिवस में तहसीलदार ने मौके पर मामले निपटाए

बांदा, (संवाददाता)। जिले के पैलानी विकासखंड जसपुरा थाना दिवस में तहसीलदार राधेश्याम सिंह ने क्षेत्र से आए फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान सभी क्षेत्रों के लेखपाल और कानूनगो उपस्थित रहे। इनमें रामपुर के लेखपाल अनिल कुमार और कानूनगो रामकिशोर कुशवाहा सहित अन्य गांवों के लेखपाल व कानूनगो शामिल थे। तहसीलदार ने मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया। थाना दिवस में एसआई धर्मेंद्र कुमार सिंह, आकाश कुमार गौड़ और सिपाही राघवेंद्र कुमार सहित समस्त थाना स्टाफ मौजूद रहा। जिस विभाग से संबंधित समस्या थी, उसके अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

बीरा गांव में 20 साल से ग्रामीण परेशान, पानी की टंकी बनी शो पीस, पेयजल आपूर्ति ठप

बांदा, (संवाददाता)। जिले के कमासिन क्षेत्र की ग्राम पंचायत बीरा में 20 साल पुरानी पानी की टंकी की मरम्मत तो कर दी गई है, लेकिन ग्रामीणों को आज तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति नहीं मिल पाई है। घर–घर टोंटियां लगी हैं, पर उनमें पानी नहीं पहुंच रहा है। स्थानीय निवासियों राम सुजान सिंह, अश्वनी सिंह, कमलेश यादव, राममूरत यादव और रामगोपाल यादव ने बताया कि लगभग बीस वर्ष पहले इस पानी की टंकी का निर्माण हुआ था। तब से लेकर आज तक गांव में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है। जल जीवन मिशन के तहत गांव की गलियों में पाइपलाइन तो बिछाई गई, लेकिन कई रास्ते अभी भी आधे–अधूरे पड़े हैं, जिन्हें जिम्मेदार लोगों ने पूरा नहीं करवाया है। इसके कारण भी लोगों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, संबंधित ठेकेदार ने टंकी की मरम्मत तो करवा दी है, लेकिन इसमें अभी भी कई लीकेज मौजूद हैं। उनका आरोप है कि जिम्मेदार लोग अधिकारियों को गुमराह कर रहे हैं, जबकि निर्मित पानी की टंकी केवल एक शोपीस बनकर खड़ी है। ग्रामीणों ने मीडिया के माध्यम से जिलाधिकारी बांदा से अपील की है कि जल्द से जल्द शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

रास्ते के विवाद पर मारपीट,शराब के नशे में दो पक्षों में हुई झड़प, कई घायल

बांदा, (संवाददाता)। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के पचनेही गांव में 24 अक्टूबर की रात रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई।

पुलिस मुठभेड़, एक बदमाश घायल,चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

बांदा, (संवाददाता)। जिले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान जवाबी फायरिंग में एक बदमाश इरशाद के पैर में गोली लगी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में की गई। यह घटना 24 अक्टूबर 2025 की रात को हुई, जब थाना कालिंजर और एसओजी की संयुक्त टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज और क्षेत्राधिकारी नरैनी कृष्णकांत त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में टीम वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु भ्रमणशील थी। सौंता मोड़ पर बांदा रोड की तरफ से आ रही एक होंडा कार को देखकर पुलिस ने रुकने का इशारा किया। वाहन सवारों ने गाड़ी मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तत्परता से पीछा किया। लगभग एक किलोमीटर आगे सढ़ा लिंक रोड पर कार अनियंत्रित होकर खाई में फंस गई। पुलिस द्वारा घेराबंदी करने पर बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक अभियुक्त इरशाद के पैर में गोली लगी। जांच और पूछताछ में सामने आया कि ये दोनों आरोपी रात के समय होंडा कार से निकलकर घरों के ताले काटकर और दुकानों के शटर तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। उन्होंने बांदा, महोबा, फतेहपुर, प्रयागराज, मध्य प्रदेश और आसपास के अन्य जिलों में भी कई चोरियां की हैं। पूछताछ में यह भी पता चला कि वे आज भी किसी चोरी की घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस, ताला तोड़नेध्काटने के औजार और घटना में प्रयुक्त होंडा कार बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी इरशाद पर पहले से ही हत्या के प्रयास और पुलिस मुठभेड़ सहित आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

एसपी ने मिशन शक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

महिला सुरक्षा व स्वावलंबन हेतु दिए आवश्यक दिशा–निर्देश

बांदा, (संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने थाना कोतवाली देहात स्थित मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने महिला हेल्प डेस्क, महिला शिकायती रजिस्टर, परामर्श कक्ष और केंद्र में रखे अभिलेखों की जांच की। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। श्री बंसल ने महिला संबंधी प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति के बारे में पूछताछ की और लंबित प्रकरणों को शीघ्रता से निपटाने के निर्देश दिए।उन्होंने केंद्र में तैनात महिला बीट अधिकारियों और महिला आरक्षियों को निर्देशित किया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर अभियान चलाए जाएं। पुलिस अधीक्षक ने विद्यालयों, कॉलेजों और ग्राम स्तर पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नंबरों (जैसे डायल 1090, 112, 108) के बारे में भी जानकारी दी जाए।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक श्री शिवराज, सहायक पुलिस / क्षेत्राधिकारी नगर सुश्री मेविस टॉक सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

योगी ने हेलिकॉप्टर से देखा देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, जेवर एयरपोर्ट का निरीक्षण किया

नोएडा, (संवाददाता)। नोएडा में सीएम योगी ने हेलिकॉप्टर से देश के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट को देखा। उन्होंने एयरस्ट्रिप निर्माणाधीन टर्मिनल, पार्किंग, और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी का सर्वेक्षण किया। इससे पहले उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों के साथ भी बैठक की। सीएम ने अधिकारियों से कहा– एयरपोर्ट के शुभारंभ से पहले सभी काम पूरे किए जाएं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यूपी की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और रोजगार सृजन का केंद्र बनेगा। यह पीएम मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। एविएशन मंत्री ने एयरपोर्ट उद्घाटन की नई तारीख 30 अक्टूबर तय की है। प्रधानमंत्री मोदी एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। हालांकि, अभी डेट आगे बढ़ सकती है। पहले फेज का काम 29 सितंबर 2024 तक पूरा होना था। दिसंबर 2024 में इसका उद्घाटन होना था। लेकिन काम पूरा नहीं होने पर अप्रैल 2025 इसकी डेट तय की गई। इसके बाद मानसून आने की वजह से काम में रुकावट आई। ऐसे में एविएशन मंत्री ने 30 अक्टूबर को नई तारीख तय की।

विधिक सलाहकार अमित आनन्द तिवारी (अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आरजू खान द्वारा सीता आफसेट, 75 पुराना किला केन्ट रोड हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित कराकर एच 615 मलेसेमऊ गोमतीनगर विस्तार लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक आरजू खान मोबाइल: 09415282000 फोन नं. 0522–2968200 RNI No: UPHIN/2016/67528 Email: statementttodaynews@gmail.com
AgencyChannel: www.statementtodaynews.com
राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखक के विचार व्यक्तिगत हैं किसी भी प्रकार के विवाद के समाधान के लिए न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा। (समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है)

राजधानी में 300 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र,पीएम मोदी वर्चुअल जुड़े, कहा हर युवा भारत की ताकत

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मिशन रोजगार के तहत 300 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटा गया। राष्ट्रीय रोजगार मेले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। उन्होंने वर्चुअल तरीके से युवाओं को नियुक्त पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि देश का हर युवा हमारी ताकत है। देशभर में 40 स्थानों पर रोजगार मेले का आयोजन किया गया। उसमें वर्चुअल तरीके से प्रधानमंत्री ने 51,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिसमें लखनऊ के 300 युवा शामिल रहे। लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन और उर्वरक

मंत्रालय की राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने दीप जलाकर किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में रोजगार सृजन की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुआ है। अनुप्रिया पटेल ने कहा, "जब केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में मिशन रोजगार की शुरुआत की थी, तब 10 लाख युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य रखा गया था। आज हम न केवल उस लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं, बल्कि उससे आगे बढ़ चुके हैं। इस मौके पर मलिहाबाद की विधायक जय देवी, मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार, भारतीय डाक विभाग के पोस्ट मास्टर जनरल सुनील कुमार राव मौजूद रहे। उन्होंने नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह अवसर युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का मौका देता है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रोजगार मेले के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। मंच पर प्रधानमंत्री का संदेश सुनते हुए कई युवाओं की आंखों में सपनों की चमक साफ झलक रही थी। जौनपुर से आए छात्र समीर माज ने बताया, "मेरा चयन आरडीएसओ में हुआ है। मैंने जूनियर इंजीनियर पद के लिए आवेदन किया था। अब मुझे नियुक्ति पत्र मिल गया है। यह मेरे लिए बहुत गर्व का पल है। लखनऊ के राहुल कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, "मेरा सिलेक्शन नारकोटिक विभाग के ग्रेड–2 पद पर हुआ है। मैंने अगस्त में आवेदन किया था। अब नियुक्ति पत्र पाकर ऐसा लग रहा है जैसे मेहनत रंग लाई हो।" वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता युवाओं को अधिकतम रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि आज का युवा सिर्फ नौकरी नहीं ढूंढता, बल्कि देश के विकास में अपना योगदान देना चाहता है। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत का हर युवा हमारी ताकत है। मिशन रोजगार उसी भावना के साथ चलाया जा रहा है कि युवाओं को अवसर मिले और देश नई ऊंचाइयों को छुए।

आयुष्मान कार्ड नहीं तो भी होगा 5 लाख तक का कैशलेस इलाज

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में किसी निवासी के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है तो भी वह 5 लाख रूपए तक का कैशलेस इलाज करवा सकता है। यह संभव हुआ है प्रदेश में शुरू की गई मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की वजह से, जो एक राज्य–स्तरीय स्वास्थ्य बीमा योजना है।मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना एक राज्य स्तरीय स्वास्थ्य बीमा योजना है जो कैशलेस इलाज की सुविधा देती है।जिन लोगों ने इस योजना के तहत पंजीकरण कराया है, उन्हें 2,500 से ज्यादा बीमारियों सर्जरी के लिए कवर किया गया है। मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना में 1,500 से ज्यादा स्वास्थ्य पैकेज कवर हैं। इस योजना में हृदय रोग, बाईपास सर्जरी, किडनी ट्रांसप्लांट, डायलिसिस और न्यूरोसर्जरी आदि चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। योजना अंतर्गत मरीजों का इलाज पूरी तरह से कैशलेस होता है। मरीजों को कागजी दस्तावेज इस्तेमाल की जरूरत नहीं। इलाज कैशलेस है।कार्ड का वेरिफिकेशन हेल्पलाइन सपोर्ट का एक्सेस, ऑनलाइन ही हो जाता है।इस योजना के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति का उत्तर प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य है। आवेदनकर्ता गरीब हो, असंगठित क्षेत्र में मजदूरी कर रहा हो, रजिस्टर्ड लेबर हो, बीपीएल कार्डधारक हो या ऐसे वर्ग से आता हो, जिसे प्रदेश सरकार ने कमजोर वर्ग के रूप में चिह्नित किया हुआ है लेकिन एसईसीसी 2011 डेटा में शामिल नहीं हैं।उत्तर प्रदेश सरकार ने इस योजना का शुभारंभ किया था इसके अंतर्गत सरकारी अस्पतालों के साथ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी इलाज कराने की सुविधा मिलती है। राज्य स्तरीय कैशलेस इलाज योजना की वजह से प्रदेश के निर्धन वर्ग के लोग भी गंभीर बीमारी का इलाज कराने में सक्षम हो गए हैं। लनीउंदनच.पद पर जाकर इस योजना के लिए आवेदन किया जा सकता है। आवेदनकर्ता के पास आधारकार्ड, मोबाइल नंबर, राशनकार्ड, निवास प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र जन्म प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। आवेदन ऑफलाइन किया जा सकता है। नजदीकी जन सुविधा केंद्र पर आवेदनपत्र भरकर देना होता है।

एमिटी यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने "एनवायरनमेंट सोल्जर्स" पहल से दिया सामाजिक बदलाव का संदेश

लखनऊ,संवाददाता। एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ के विद्यार्थियों ने अपने ह्यूमन वैल्यूज एंड कम्युनिटी आउटरीच प्रोजेक्ट "एनवायरनमेंट सोल्जर्स" के तहत पर्यावरण जागरूकता और स्थायी विकास के संदेशों को समाज तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है। यह प्रोजेक्ट उत्तम उत्थान समिति नामक एनजीओ के सहयोग से आर्यन अकादमी स्कूल (जो उक्त एनजीओ के अंतर्गत संचालित होता है) में संपन्न हुआ। 13 सप्ताह की इस पहल के दौरान विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, तथा अपशिष्ट पृथक्करण, जल संरक्षण और प्लास्टिक के दुष्प्रभाव जैसे विषयों पर जागरूकता सत्र आयोजित किए। इसका उद्देश्य बच्चों और समुदाय के लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृअत करना था। एमिटी के विद्यार्थियों ने बच्चों को रोचक गतिविधियों और पाठों के माध्यम से "एनवायरनमेंट सोल्जर्स" बनने के लिए प्रेरित किया, एनजीओ के समन्वयकों ने विद्यार्थियों की लगन, समर्पण और पर्यावरण चेतना को समाज तक पहुँचाने के उनके प्रयासों की सराहना की। एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ के सहभागी विद्यार्थी इन विद्यार्थियों के प्रयास विश्वविद्यालय की इस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं कि वह ऐसे सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिक तैयार कर रहा है, जो पर्यावरण और समाज दोनों के प्रति सकारात्मक योगदान देते हैं।

प्रयागराज में पत्रकार की नृशंस हत्या-कानून व्यवस्था पर लोकदल अध्यक्ष ने उठाए गंभीर सवाल

लखनऊ,संवाददाता। संगम नगरी प्रयागराज में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सिविल लाइंस क्षेत्र में वरिष्ठ पत्रकार एल.एन. सिंह की चाकुओं से गोदकर की गई निर्मम हत्या ने प्रदेश को हिला कर रख दिया है। पत्रकार पर 20 से 25 वार किए गए। एल.एन. सिंह लंबे समय से एक समाचार चौनल के लिए कार्यरत थे और सामाजिक मुद्दों पर निडरता से रिपोर्टिंग करते थे। यह घटना केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला है। इससे पहले दलित युवक रवींद्र कुमार की हत्या और अब पत्रकार की नृशंस हत्या ने प्रदेश की कानून व्यवस्था की सच्चाई उजागर कर दी है। "जब पत्रकार और आम नागरिक असुरक्षित हैं, तो सरकार की कानून व्यवस्था पर भरोसा कैसे किया जाए? अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। यह सरकार की गंभीर विफलता है।"

मायावती ने खत्म की मंडलीय व्यवस्था, लागू किया नया जोनल सिस्टम

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए मंडलीय व्यवस्था को खत्म कर जोनल व्यवस्था लागू कर दी है।

योगी बोले, छठ पर नदियों–घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प ले,प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उत्सव है

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को छठ महापर्व पर नदियों–घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेशवासियों को संबोधित एक संदेश अपने आधिकारिक "एक्स" खाते पर साझा करते हुए छठ महापर्व की सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पोस्ट में कहा "मेरे सम्मानित प्रदेश वासियों... छठ महापर्व आस्था व परंपरा के साथ–साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उत्सव है। एक जिला–एक नदी के अंतर्गत सरकार नदियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील है। आइए, छठ पर नदियों–घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें।" योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा "इस पर्व का एक गहरा संदेश है–नदियों और जलाशयों के प्रति सम्मान व उनका संरक्षण। हम नदी सभ्यता की संतान हैं। हमारे लिए नदियां धमनियों सी है, जिनमें जल की स्मृतियां सुरक्षित हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि "उत्तर प्रदेश सरकार इन जीवन धाराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। 2017 से अब तक 50 से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया जा चुका है।" उन्होंने कहा कि "कानपुर की नून, देवरिया की छोटी गंडक, वाराणसी की मटका, जौनपुर की पीली नदी का प्रवाह हमारे प्रयास का प्रमाण है। इसी कड़ी में गोमती पुनर्जीवन मिशन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को एक नई धारा प्रदान करेगा।" योगी ने पोस्ट में कहा " एक जिला–एक नदी के अंतर्गत सरकार नदियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील है। आइए,, इसे लोक सहभागिता के उत्सव के रूप में मनाएं। इस छठ पर नदियों घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि "नदियां हैं तो हम हैं, नदियां नहीं तो कुछ भी नही।